हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 48, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 अगस्त, 2022 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

स्वतंत्रता सप्ताह तथा हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी जोरों पर, लहराएंगे साढ़े चार करोड़ तिरंगे

11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह तथा 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान मनेगा

लखनऊ। देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हर समारोह को प्रदेश सरकार ने जोरदार ढंग से मनाने की तैयारी पर ली है। 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह तथा 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान वृहद स्तर पर मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत साढ़े चार करोड़ तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा है।

उत्तर प्रदेश में स्वतंत्रता सप्ताह 11 से 17 अगस्त और 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा। इस दौरान सभी शहरों व गांवों में स्वच्छता अभियान के साथ पार्कों की सजावट की जायेगी। प्रदेशवासियों को सरकार की प्राथमिकताओं व उपलब्धियों की जानकारी दी जायेगी। हर घर तिरंगा अभियान को बेहतर अंजाम देने के लिए जिलों में भाजपा के कार्यालयों के साथ ही डाकघर से भी झंडा की बिक्री की जा रही है। रविवार को भी हर जगह झंडा बिक्री के लिए पोस्ट आफिस खोले गए हैं। देश के साथ प्रदेश में भी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा लगाने के अभियान की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री और वितरण की सुविधा के लिए भी सरकार अपनी तरफ से लगी हुई है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी डाकघर स्वतंत्रता दिवस से पहले छुट्टी के दिनों में भी खुले रहेंगे। देश भर में डाकघर इस सार्वजनिक अभियान का हिस्सा बने हुए हैं। सार्वजनिक अवकाश के दिन यानी सात, नौ तथा 14 अगस्त को भी डाकघरों में कम से कम एक काउंटर के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है। आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने विस्तृत निर्देश जारी किया है। इसके तहत सभी सरकारी, वाणिज्यिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों तथा शैक्षणिक संस्थानों में खादी से निर्मित राष्ट्र ध्वज ही फहराये जाएंगे। इसके साथ ही इस बार सरकार ने कई जगह पर पालिस्टर के झंडे लगाये जाने की अनुमति भी दे दी है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर ने सभी जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर सुबह आठ बजे सभी सरकारी भवनों में ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान होगा। दोपहर बाद सार्वजनिक स्थानों पर जनसभाओं का आयोजन किया जायेगा। जिनमें देशभक्तों व अमर बलिदानियों के जीवन संघर्ष को याद किया जायेगा। सभी समुदायों में एकता, भाईचारे व इंसानियत पर बल दिया जायेगा। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास की अवधारणा पर काम कर रही है। स्वतंत्रता दिवस के दो दिन पहले यानी 13 अगस्त को मंगल दल अमृत मिनी मैराथन का आयोजन करेंगे। हर कृषि विज्ञान केंद्र पर न्यूनतम 75 किसानों को पौधा व तिरंगा भेंट किया जायेगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किये जाने के साथ-साथ लोगों की परंपरागत एकता प्रदर्शित करने के लिए मानव श्रंखला भी बनाई जायेगा। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों पर पुलिस बैंड राष्ट्र धुन बजायेंगे।

सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी

लखनऊ। मऊ सदर से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की तलाश में लखनऊ पुलिस राजधानी लखनऊ समेत चार स्थानों पर दबिश दे रही है। तीन टीमें गाजीपुर, मऊ और दिल्ली में दबिश दे रही हैं। यह कार्रवाई रविवार को भी जारी रही। अब्बास बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी का बेटा है। उसके खिलाफ महानगर थाने में तीन साल पहले फर्जीवाड़े का केस दर्ज किया गया था। इसमें एक ही लाइसेंस पर कई हथियार खरीदने का आरोप है। गौरतलब है कि मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए के विशेष एसीजेएम अंबरीश श्रीवास्तव के कोर्ट में चल रही थी। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया था कि अब्बास को 27 जुलाई तक गिरफ्तार करके कोर्ट को सूचित करे। इस पर गिरफ्तारी से बचने के लिए अब्बास ने विशेष अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। यह याचिका बीते बृहस्पतिवार को खारिज हो गई। इसके बाद पुलिस अब्बास की तलाश में दबिश दे रही है। कुल पांच टीमों ने शुक्रवार देर रात छापेमारी की, लेकिन अब्बास हाथ नहीं लगा।

भारत की नजर से नहीं बचेगी ड्रैगन की कोई हरकत चीन से सटी सीमा पर ड्रोन तैनात करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पिछले दो साल से लद्दाख स्थित सीमा पर तनाव जारी है। इस बीच ड्रैगन कई मौकों पर अरुणाचल से लेकर उत्तराखंड तक भारतीय सेना की चौकसी को परखने की कोशिश करता रहा है। अब सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) चीन की इन हरकतों से निपटने का स्थायी समाधान लाने जा रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो एचएएल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चलित ऐसे ड्रोन विकसित कर रहा है, जो कूटनीतिक अभियानों के लिए ऊंचाई वाले इलाकों में भेजे जा सकेंगे। ये ड्रोन कई खूबियों और हथियारों से लैस होंगे। साथ ही ये सीमाओं पर कई घंटों तक उड़ान भरने में सक्षम होंगे। एचएएल से जुड़े कुछ अधिकारियों ने बताया कि जिन ड्रोन्स के निर्माण की ओर कदम बढ़ाए गए हैं, वे रोटरी विंग वाले होंगे और यह एक बार में 40 किलोग्राम तक वजन उठा सकेंगे। यानी ये ड्रोन मिसाइल से लेकर सेंसर्स तक से लैस होंगे। बताया गया है कि ये ड्रोन्स सशस्त्र सेनाबलों की जरूरतों के हिसाब से तैयार किए जा रहे हैं, ताकि चीन के साथ लगती पूरी सीमा की निगरानी की जा सके। एचएएल ने इस ड्रोन की पहली उड़ान के लिए एक टारगेट भी सेट कर लिया है। बताया गया है कि सरकारी कंपनी अगले साल के मध्य यानी 2023 के बीच में ही ड्रोन्स की टेस्टिंग शुरू कर देगी। इस प्रोजेक्ट के पहले फेज में 60 ड्रोन्स बनाए जाने हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन लंबी क्षमता तक उड़ान भरने में सक्षम ड्रोन्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर विकसित किया जाएगा। सशस्त्र बल इन्हें न सिर्फ जरूरत का सामान लाने-ले जाने के लिए इस्तेमाल करेंगे, बल्कि हथियार के तौर पर भी प्रयोग कर सकेंगे। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि ड्रोन को इस तरह से बनाया जा रहा है कि यह सेना के भी कई काम कर सके। इसमें सेंसर्स के अलावा मिसाइलों और अन्य हथियार भी लगाए जा रहे हैं। एचएएल इस्राइल की कंपनी से सहयोग के जरिए हेरोन टीपी ड्रोन्स बनाने पर भी विचार कर रहा है। अफसरों के मुताबिक, इस्राइल के साथ बनने वाले ड्रोन न सिर्फ सशस्त्र बलों के काम आएंगे, बल्कि इन्हें वैश्विक सप्लाई के लिए भी मैन्युफैक्चर किया जाएगा। गौरतलब है कि हेरोन ड्रोन 35 हजार फीट की ऊंचाई पर 45 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है। इन्हें सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम की मदद से लंबी दूरी तक उड़ाया जा सकता है। इसके अलावा एचएएल दो अन्य ड्रोन प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहा है।

अविवाहित महिला को भी गर्भपात कराने की मांग का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट में 10 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अविवाहित महिला को गर्भपात कराने की मांग का अधिकार न देना। उनकी व्यक्तिगत आजादी का हनन है। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी 25 वर्षीय एक अविवाहित महिला द्वारा 24 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की मांग करने वाली याचिका के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भारत में गर्भावस्था कानून की चिकित्सा समाप्ति के संबंध में विवाहित और अविवाहित महिलाओं के बीच कोई भी भेदभाव की अनुमति नहीं देता है।

दरअसल, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि वह मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम और संबंधित नियमों की व्याख्या करेगी कि क्या अविवाहित महिलाओं को चिकित्सकीय सलाह पर 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति दी जा सकती है या नहीं। शीर्ष अदालत ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में हुई प्रगति को देखते हुए (एमटीपी अधिनियम और नियम) कानून की दूरंदेशी व्याख्या होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 अगस्त को तय की है। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वह इस कवायद में अदालत की मदद करें। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब कानून के तहत अपवाद प्रदान किए गए हैं, तो अविवाहित महिलाओं को 24 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए शामिल क्यों नहीं किया जा सकता है यदि चिकित्सा सलाह अनुमति देती है? शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि क्या एक विवाहित महिला को मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम 1971 और इसके तहत बनाए गए नियमों के तहत 24 सप्ताह तक गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति है, फिर भी अविवाहित महिलाओं को इससे इनकार क्यों किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले एनआईए को बड़ी कामयाबी, दिल्ली के बटला हाउस से आईएसआईएस का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी कामयाबी मिली है। देश की राजधानी दिल्ली के बटला हाउस से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस से जुड़े एक संदिग्ध को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संदिग्ध आईएसआईएस का कट्टर और सक्रिय सदस्य है। संदिग्ध की पहचान मोहसिन अहमद के रूप में हुई है, वह बिहार का रहने वाला है। इस दौरान आईएसआईएस का ऑनलाइन प्रोपोगेंडा चला रहा था। पिछले कुछ समय से वह बटला हाउस में रह रहा था। बताया जा रहा है कि वह भारत और विदेशों में आईएसआईएस से सहानुभूति रखने वाले लोगों से फंड इकट्ठा करता था। इसके लिए वह क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करता था।

एनआईए के मुताबिक, अहमद आईएसआईएस का कट्टर और सक्रिय सदस्य है। उसे भारत और विदेशों में सहानुभूति रखने वालों से आईएसआईएस के लिए धन इकट्ठा करने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एनआईए की टीम ने बाटला स्थित अहमद के घर पर छापा मारा। छापामारी के दौरान उसके घर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

बसपा प्रमुख मायावती ने निर्वाचित उपराष्ट्रपति धनकड़ को दी बधाई, याद दिलाया अपना समर्थन

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को निर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को बधाई दी है। मायावती ने राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मु के बाद उपराष्ट्रपति चुनाव में भी एनडीए के प्रत्याशी जगदीप धनकड़ को अपना समर्थन दिया। बसपा मुखिया ने जगदीप धनकड़ को बधाई देने के लिए ट्वीट किया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति पद पर जगदीप धनखड़ की शानदार जीत के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी बीएसपी ने व्यापक जनहित व अपने मूवमेन्ट को ध्यान में रखकर उन्हें अपना समर्थन दिया था। हमको उम्मीद है कि वे अपनी सभी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाने का भरसक प्रयास जरूर करेंगे। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में शनिवार को एनडीए के प्रत्याशी जगदीप धनकड़ ने संयुक्त विपक्ष की प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांग्रेस की मार्गरेट अल्वा पराजित किया। धनखड़ कुल 74 प्रतिशत वोट पाकर उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो गए हैं। उन्होंने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 346 मतों से पराजित किया। 1997 के बाद उपराष्ट्रपति चुनाव में यह सबसे बड़ी जीत है। वर्तमान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल दस अगस्त तक है। उसके अगले दिन यानी 11 अगस्त को धनखड़ उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। वह देश के 14वें और राजस्थान से दूसरे उपराष्ट्रपति होंगे। इनसे पहले राजस्थान से पहले उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत थे। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में धनखड़ को 725 में से 528 और अल्वा को 182 मत मिले। इस चुनाव में 15 मत अवैध रहे। राष्ट्रपति चुनाव के बाद उपराष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्षी एकता तार-तार हो गई। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में कुल 92.94 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2017 के 98.2 प्रतिशत के मुकाबले कम रहा।

वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में भिड़े सेवायत, जमकर हुई मारपीट

मथुरा। मथुरा वृंदावन का ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर जंग का अखाड़ा बन गया। मंदिर के अंदर दो सेवायतों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट से मंदिर में अफरा तफरी मच गई। इस दौरान दर्शन करने आए भक्त भी हैरान रह गए। बीच-बचाव का भी प्रयास किया गया, लेकिन फायदा नहीं निकला। किसी की परवाह किए बिना सेवायतों के बीच ये झगड़ा जारी रहा। एक दूसरे का गला दबाते और जमकर थप्पड़ों की बौछार जारी रही। इस विवाद को लेकर मंदिर में आए भक्त परेशान दिखे। वहीं इस झगड़े और मारपीट का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लोगों ने झगड़ा करने वाले सेवायत गोस्वामियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वीडियो पिछले दिनों का बताया गया है। इधर इस मामले में न तो मंदिर प्रशासन कुछ बोल रहा है और न हीं पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। सभी इस मामले पर पर्दा डालने के प्रयासों में जुट गए हैं। एक गोस्वामी के हाथ में डंडा था, जबकि दूसरा खाली हाथ लड़ता रहा। झगड़ा होते ही मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। कई श्रद्धालुओं ने उनके झगड़े को शांत कराने का प्रयास करने लगे। लेकिन दोनों सेवायत एक दूसरे को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारपीट पर अमादा थे। इसी दौरान किसी ने उनके झगड़े की वीडियो बना ली और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल हो रहा झगड़े का वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। दोनों पक्षों को पुलिस कोतवाली ले गई, लेकिन दोनों पक्षों में आपस में समझौता होने के कारण मामला शांत कर दिया गया है। मंदिर प्रबंधन द्वारा सेवायत गोस्वामियों के बीच हुए झगड़े की जानकारी मंदिर प्रशासक को दे दी है। आए दिन मंदिर सेवायतों में चढ़ावे को लेकर हो रहे झगड़े पर कड़ी कार्रवाई ना होना किसी दिन बड़ी घटना का कारण भी बन सकता है।

पाकिस्तान से पीएम मोदी के लिए भेजी राखी, बहन ने 2024 के आम चुनाव के लिए की जीत का दुआ

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के शुभ अवसर से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तानी बहन कमर मोहसिन शेख ने उन्हें पवित्र धागा-राखी भेजी है और उनके लिए 2024 के आम चुनाव में जीत की कामना की है। कमर ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि वह (पीएम मोदी) इस बार मुझे दिल्ली बुलाएंगे। मैंने सारी तैयारियां कर ली हैं। मैंने खुद ही इस राखी को रेशमी रिबन से कढ़ाई डिजाइन के साथ बनाया है।" उन्होंने एक पत्र लिखा है और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबे जीवन के लिए प्रार्थना की है। कमर ने 2024 के चुनाव के लिए भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "मैंने एक पत्र लिखा है और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की। अच्छा काम करते रहिए जैसे आप अभी कर रहे हो।" 2024 के आम चुनाव को लेकर कमर ने कहा, "इसमें कोई शक नहीं है कि वह फिर से प्रधानमंत्री होंगे। वह इसके हकदार हैं क्योंकि उनके पास क्षमताएं हैं और मैं चाहती हूं कि वह हर बार भारत के प्रधानमंत्री बनें।" पीएम मोदी की बहन कमर मोहसिन शेख ने पिछले साल भी उन्हें राखी और रक्षाबंधन कार्ड भेजा था।

भाई-बहनों के बीच प्यार के बंधन का प्रतीक रक्षाबंधन 11 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन हिंदू वर्ष के सावन महीने की पूर्णिमा को मनाया जाता है। सावन का महीना हिंदुओं के बीच एक शुभ काल माना जाता है और इस पूरे समय में हर सोमवार को भगवान शिव की पूजा की जाती है।

दिल्ली के बाद पंजाब में भी बिजली के जीरो बिल शुरू, 80 फीसदी उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के साथ ही लोगों को बिजली का बिल चुकाने से मुक्ति मिल गई थी। केजरीवाल सरकार के 200 यूनिट बिजली बिल मुफ्त के दायरे में बड़ी संख्या में उपभोक्ता आए और उन्हें अब तक बिजली बिल चुकाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। ठीक इसी तरह अब पंजाब के उपभोक्ता भी बिजली बिल के रूप में शून्य भुगतान करने की स्थिति में आ गए हैं। ऐसा हुआ है पंजाब सरकार की 300 यूनिट बिजली मुफ्त करने के कारण। अब पंजाब के लगभग 80 फीसदी उपभोक्ताओं को जुलाई महीने से शून्य बिजली बिल का लाभ मिलने लगा है। पंजाब बिजली बोर्ड के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में लगभग 10 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से लगभग 80 फीसदी उपभोक्ताओं ने जुलाई माह में 300 यूनिट से कम खर्च किया है और इसलिए इस महीने उन्हें कोई बिजली बिल नहीं चुकाना होगा।

भवानीसागर जलाशय से छोड़ा गया पानी हाई अलर्ट पर तीन जिले, प्रशासन सतर्क

चेन्नई। तमिलनाडू के भवानीसागर जलाशय से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के डेल्टाई जिले हाई अलर्ट पर हैं। तमिलनाडू जल संसाधन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि भवानीसागर जलाशय से 59,661 क्यूसेक कावेरी नदी और 1.29 लाख क्यूसेक कोलिडम नदी में कुल 1.29 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके बाद से तिरुचि, तंजावुर और करूर हाई अलर्ट पर हैं। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, जिला प्रशासन ने दोनों नदियों में जल स्तर बढ़ने की संभावना जताते हुए स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। आशंका है कि नदी किनारे स्थित घरों में भी पानी भर सकता है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भवानीसागर की क्षमता 105 फीट है, जिसमें 102 फीट तक पानी पहुंच गया है। बीते शनिवार को भी भवानी नदी में 25,863 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। भवानी नदी में में छोड़ा गया पानी आमतौर पर कुछ समय के लिए नदी से होकर गुजरता है और बाद में कावेरी में मिल जाता है। विभाग के अधिकारियों ने जलाशय से छोड़ा गया पानी ऊपरी एनीकट में पहुंचने के बाद जलस्तर बढ़ जाएगा। तिरुचि के जिला कलेक्टर एम. प्रदीप कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव विभाग किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। जिला अधिकारियों ने पहले ही तिरुचि जिले में 27 संवेदनशील स्थानों पर कर्मियों को तैनात कर दिया है और हर घंटे बाढ़ की स्थिति की जानकारी उनके साथ साझा की जा रही है। उन्होंने बताया कि 300 से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से निकाल कर श्रीरंगम, मनाचनाल्लूर और लालगुडी में के शिविरों में भेज दिया गया है। इसके अलावा जल्द ही 159 नए आश्रय स्थल बनाए जाएंगे। करूर के जिला कलेक्टर प्रभु शंकर ने बताया कि 150 से अधिक परिवारों को सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

संपादकीय

महंगाई की चुनौती

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर आधा फीसद और बढ़ा कर यही संदेश दे दिया है कि अभी उसकी प्राथमिकता महंगाई पर काबू पाना है। चालू वित्त वर्ष (2022-23) में यह तीसरा मौका है जब रेपो दर बढ़ाई गई है। पिछले तीन महीनों में रेपो दर में 1.4 फीसद का इजाफा हो चुका है और अब यह 5.4 फीसद पर आ गई है। केंद्रीय बैंक के इस कदम पर हैरानी इसलिए भी नहीं होनी चाहिए कि वह लगातार संकेत देता रहा है कि नीतिगत दरों को लेकर उदार रुख लंबे समय तक नहीं संभव नहीं होगा। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के कारण जो आर्थिक हालात बन गए थे, उनसे निपटने के लिए मई 2020 में केंद्रीय बैंक ने रेपो दर 0.75 फीसद घटा दी थी। जाहिर है, नीतिगत दरों में वृद्धि को और टाल पाना मौद्रिक नीति समिति के संभव नहीं रह गया था, इसलिए मई में एमपीसी ने नीतिगत दरें बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया था। मुद्रास्फीति थामने के लिए मौद्रिक उपाय के तौर पर बड़ा हथियार नीतिगत दरों में बदलाव ही है। इसमें तो कोई संशय नहीं कि अभी सबसे बड़ा संकट महंगाई का है। लंबे समय से खुदरा महंगाई का जो रुख बना हुआ है, उससे रिजर्व बैंक की भी नींद उड़ी हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए एमपीसी ने मुद्रास्फीति 6.7 फीसद रहने का जो अनुमान अपनी जून की बैठक में रखा था, वही अभी भी रखा है। मतलब साफ है कि आने वाले दिनों में भी महंगाई दर कम होने को लेकर ज्यादा उम्मीदें दिख नहीं रहीं। तीसरी तिमाही में भी खुदरा महंगाई दर छह फीसद के ऊपर ही रहने के आसार हैं। अगर थोड़ा बहुत सुधार हुआ भी, जैसी कि उम्मीदें लगाई जा रही हैं, तो इसका असर चौथी तिमाही में ही देखने को मिलेगा। रिजर्व बैंक को महंगाई दर दो से छह फीसद के बीच सुनिश्चित करनी होती है। लेकिन लंबे समय से यह इस निर्धारित दायरे से ऊपर ही चल रही है। यों यह स्थिति सिर्फ भारत में ही नहीं है। दुनिया के तमाम देशों में महंगाई के रेकार्ड टूट रहे हैं और इससे निपटने के लिए सभी देशों के केंद्रीय बैंक नीतिगत दरों में वृद्धि का उपाय ही आजमा रहे हैं। हालांकि भारत में महंगाई बढ़ने के लिए बाहरी कारक भी उतने ही जिम्मेदार हैं जितने कि आतंरिक। कच्चा तेल फिर महंगा हुआ है। जून में जहां यह पनचानवे डालर प्रति बैरल था, वहीं जुलाई में एक सौ पंद्रह डालर प्रति बैरल हो गया। जून में खुदरा महंगाई सात फीसद थी, जो जुलाई में 7.79 फीसद दर्ज की गई। इन आकंड़ों से साफ ही महंगाई की चुनौती मामूली नहीं है। नीतिगत दरों में वृद्धि से साफ है कि कर्ज और महंगा होगा। बैंक भी ब्याज दरों में इजाफा किए बिना नहीं रह पाएंगे। उपभोक्ता बाजार और संपत्ति बाजार पर इसका असर पड़ना तय है। अगर कर्ज महंगा होगा तो मकानों की खरीद-फरोख्त पर असर पड़ेगा। इससे जुड़े सीमेंट, इस्पात जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। वाहनों की बिक्री भी घटेगी। दो महीने बाद त्योहारी मौसम भी शुरू हो जाएगा। ऐसे में बैंकों के सामने यह चुनौती होगी कि कर्ज कितना महंगा करें जिससे मांग-आपूर्ति का संतुलन न गड़बड़ाए। हालांकि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फायदा उन लोगों को मिल सकता है जो आकर्षक ब्याज दरों के लिए अपना पैसा बैंकों में सावधि जमा के रूप में रखते आए हैं। लेकिन खुदरा महंगाई को थामने का रिजर्व बैंक का यह उपाय कितना कारगर रह पाता है, यह आने वाले दिनों में पता चल जाएगा।

गिनती की अब बारी!

हो रही हैं बातें ।
गिनती की अब बारी ।।
कितने वादे पूरे ।
गिनने की तैयारी ।।
जानने का हक है ।
हुआ कितना काम ?
मिली कामयाबी है ।
या हुए नाकाम ?
हर तरफ है शोर ।
और हलचल भारी ।।
मिला है जब मौका ।
बनती जवाबदारी ।।
हो रहा प्रहार ।
ज्यादा आजकल ।।
देखते हैं इसका ।
क्या निकलता हल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सावधान! जनसंख्या विस्फोट के मुहाने पर भारत

पिछले दिनों लंबे अंतराल बाद एक पुराने मित्र से बात हो रही थी। जीवन में आए उतार-चढ़ावों पर भी अंतरंग बातचीत हुई। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि अपने परिवार को छोटा ही रखा है, इसलिए बच्चों की जिम्मेदारियों से मुक्त और खुश हैं। उनकी शादी को कई वर्ष हो चुके हैं और फि लहाल बच्चे की कोई योजना भी नहीं है। उन्हीं के शब्दों में कहें तो वे बच्चा पालने की ज़िम्मेदारियों और चिंताओं के बिना अपना जीवन जीना चाहते हैं। इसी मानसिकता को समझने के लिए, इन गंभीर मुद्दों को जानने के लिए कई रिपोर्टों को देखने के बाद जो बात समझ में आई, उसने रोमांचित कर दिया।

विश्व के कई ऐसे विश्वविद्यालय हैं जहां जन-जन से जुड़े सभी प्रकार के विषयों और समस्याओं पर अनुसंधान किया जाता है। उन्हीं में से एक है स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, जिसके द्वारा विश्व जनसंख्या पर किए गए एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि विश्व में दूसरे स्थान पर रहने वाले देश भारतवर्ष की आबादी 78 वर्ष बाद अर्थात 2100 में 41 करोड़ घट जाएगी और जनसंख्या घनत्व भी कम हो जाएगा। वहीं चीन की आबादी 49 करोड़ पर सिमट जाएगी। रिपोर्ट की मानें तो उसमें कहा गया है कि जब जनसंख्या वृद्धि नकारात्मक होती है, तो उस आबादी के लिए ज्ञान और जीवन स्तर स्थिर हो जाता है, लेकिन यह शनैः-शनैः गायब भी हो जाता है, जो बेशक हानिकारक परिणाम भी है। आने वाले समय में भारत का जनसंख्या घनत्व काफी कम होने का अनुमान बताया गया है। आज भारत और चीन की आबादी एक जैसी दिखाई देती है, लेकिन घनत्व में बहुत बड़ा अंतर है। भारत में प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 476 लोग रहते हैं, वहीं चीन में प्रति वर्ग किलोमीटर 148 लोग रहते हैं। भारत का जनसंख्या घनत्व 335 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर गिरने की उम्मीद की गई है और यह गिरावट पूरे विश्व की उम्मीद से कहीं अधिक होने का अनुमान है । भारतवर्ष जनसंख्या घनत्व अनुमान में गिरावट, देश की जनसंख्या कम होने के कारण है। संयुक्त राष्ट्र परियोजनाओं की ताजा रिपोर्ट है कि भारत की जनसंख्या वर्ष 2022 में जो लगभग 141 करोड़ है, वर्ष 2100 में घटकर 100 करोड़ के आसपास रह जाएगी। विश्व की जनसंख्या और विशेष रूप से भारतीय जनसंख्या के हानि-लाभ और कारण को जानने का प्रयास किया तो वह और भी चौंकाने वाला है। मेडिकल जर्नल की पत्रिका में छपे एक अध्ययन के अनुसार दुनिया भर में जन्म दर में कमी हो रही है और इसका मतलब है कि इस सदी के अंत तक विश्व के लगभग सभी देशों की जनसंख्या में कमी आएगी। पत्रिका की इस रिपोर्ट में समाज पर इसके पड़ने वाले प्रभाव का भी ज़िक्र है। यहां हम सात देशों के बारे में जानेंगे, जो जनसंख्या में हो रहे नाटकीय बदलाव की समस्या से जूझ रहे हैं और इससे निपटने के लिए क्या-कदम उठा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस सदी के अंत तक जापान की जनसंख्या आधी हो जाएगी। वर्ष 2017 की जनगणना के अनुसार जापान की जनसंख्या 12 करोड़ 80 लाख थी, लेकिन इस शताब्दी के आखिर तक ये घटकर पांच करोड़ 30 लाख तक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। जनसंख्या के हिसाब से जापान दुनिया का सबसे बुजुर्ग देश है, जहां, 100 साल से ज्यादा उम्र-दराज के लोगों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। इस कारण जापान में काम करने की क्षमता रखने वालों की संख्या लगातार घटती जा रही है, जिसके कारण इस हालात के और अधिक खराब होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की ही तरह इटली में बुजुर्गों की संख्या बहुत है। साल 2019 के विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इटली में 23 फीसदी आबादी 65 साल से अधिक उम्र की है। साल 2015 में इटली की सरकार ने प्रजनन दर बढ़ाने की योजना शुरू की थी, जिसके तहत हर विवाहित जोड़ों को एक बच्चा होने पर सरकार की तरफ से 725 पाउंड, यानी करीब 69 हजार रुपये दिए जाते हैं। चीन ने अपने यहां बढ़ती आबादी और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभाव को देखते हुए वर्ष 1979 में वन चाइल्ड की योजना शुरू की थी। लेकिन, दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला यह देश आज जन्म-दर में हो रही अत्यधिक कमी से जूझ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अगले चार साल में चीन की आबादी एक अरब 40 करोड़ हो जाएगी, लेकिन सदी के अंत तक चीन की आबादी घटकर करीब 73 करोड़ हो जाएगी। वर्ष 1979 में ईरान में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद वहां की जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हुई थी, लेकिन ईरान ने जल्द ही अपने यहां बहुत ही प्रभावी ढंग से जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू कर दिया। पिछले दिनों ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी थी कि ईरान में सालाना जनसंख्या वृद्धि दर एक फीसद से भी कम हो गई है। मंत्रालय के अनुसार अगर इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो अगले 30 साल में ईरान दुनिया में सबसे बुजुर्ग देशों में एक हो जाएगा। ब्राजील में पिछले 40 वर्षों में प्रजनन दर में काफी कमी देखी गई है। 1960 में ब्राजील में प्रजनन दर 6.3 थी जो हाल के दिनों में घटकर केवल 1.7 रह गई है।

अंधेरी सुरंग के पार रोशनी

एक लंबा अरसा बीत गया। रोशनी के मायने बदल गए। पहले घरों में छोटे-छोटे लट्टू हुआ करते थे। बहुत जगहों पर तो सिर्फ एक दीया जलता था। उन्हीं की धुंधली रोशनी में घर की मां, दादी, बहुएं धुएं के बीच चूल्हे पर रोटियां बनाया करती थीं और पूरे का पूरा टब्बर (परिवार) वहीं, उस कालिख भरी रसोई में आसन बिछा कर और कभी-कभी ठंडे फर्श पर भी गर्व के साथ बैठ कर भोजन किया करता था।

यह भी देख लिया जाता था कि पिताजी और बुजुर्गों ने भोजन कर लिया है या नहीं। उस भोजन का स्वाद कुछ अलग ही होता था, क्योंकि वह मेहनत की रोटी होती थी और उसके साथ सिर्फ कच्चे प्याज और हरी मिर्च की सब्जी भी बहुत भाती थी। इसका कारण यह भी था कि उसमें प्यार का तड़का लगा होता था। फिर धीरे-धीरे रसोई कुछ-कुछ चमकने लगी। लकड़ी, गोबर और कोयले के स्थान पर कहीं बत्ती वाला, तो कहीं पंप वाला पीतल का स्टोव काम में लिया जाने लगा। पंप वाला स्टोव आवाज बहुत करता था, इसलिए धीरे-धीरे रसोई से आसन उठने लगे और बाहर आंगन या फिर घर की बैठक में भोजन किया जाने लगा। ऐसे भोजन के समय जब बत्ती चली जाती थी तब एक ढिबरीनुमा दीपक जला लिया जाता था, तो कुछ अमीर घरों में लालटेन से घर में रोशनी कर दी जाती थी। इससे इतना तो समझ में आ ही गया कि घर में अंधेरा अच्छा नहीं होता। कहते भी थे कि अंधेरे में भोजन नहीं करना चाहिए। फिर समय बदला, इधर रसोई में सिलेंडर आने लगे और उधर चूल्हे से कुकर और दूसरे आधुनिक बर्तन दोस्ती करने लगे। वैसे भी दुश्मनी से किसी को आज तक मिला ही क्या है! फिर भी ऐसे अनेक किस्से हमारे सामने आते हैं, जिनसे यह स्पष्ट हो जाता है कि हमने घर बैठे ही दुश्मनी पाल ली। कभी अपने पड़ोसियों से, तो कभी रिश्तेदारों से। इस दुश्मनी का कारण सिर्फ इतना है कि तेरी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे। पहले किसी भी पड़ोसी या रिश्तेदार के घर पर नया सामान आता तो सब उसे देखने जुटते थे और आसपास लड्डू बांटे जाते थे। मगर आजकल लोगों में मुहब्बत कम और ईर्ष्या अधिक है। अगर कोई सक्षम नहीं है तो उसे ताने मारे जाते हैं और अगर कोई सक्षम है, तो उसे घमंडी बताया जाता है। मानवीयता का आवरण ओढ़ कर हम गरीब आदमी की इज्जत सड़क पर उछालते हैं और उसे चोर, लुटेरा कह कर उसे समाज का दुश्मन बना देते हैं। कभी-कभी तो हम उसे इतना मजबूर कर देते हैं कि वह आत्मघाती कदम भी उठा लेता है, जिसके फलस्वरूप उसका परिवार उजड़ जाता है। हमारे समाज में भूख सबसे बड़ी और गंभीर समस्या है।

8 अगस्त को भिखारीपुर में इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल-2022 के विरोध में होगा जबरदस्त प्रदर्शन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की एक अहम बैठक रविवार को भिखारीपुर में हुई जिसमें वक्ताओं ने बताया कि केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 का मसौदा जारी कर दिया है। केंद्र सरकार सोमवार 08 अगस्त को लोकसभा में प्रातः 11 बजे इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 रख रही है जिसके विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने देश के तमाम बिजली कर्मचारियों के साथ इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 के विरोध में निर्णायक संघर्ष का फैसला लिया है जिसके तारतम्य में संघर्ष समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार 08 अगस्त को सभी ऊर्जा निगमों की भांति बनारस के तमाम कर्मचारी और अभियंता काम छोड़ कर भिखारीपुर स्थित प्रबन्ध निदेशक कार्यालय पर दिनभर विरोध प्रदर्शन करेंगे। संघर्ष समिति के निर्णय के अनुसार 08 अगस्त सोमवार को बनारस के सभी कर्मचारियों व अभियंताओं से अपील है कि वे सभी परियोजनाओं व जनपदों में काम बन्द कर भिखारीपुर स्थित प्रबन्ध निदेशक कार्यालय पर कल सुबह 10 बजे तक उपस्थित होकर केन्द्र सरकार के इस जनविरोधी व कर्मचारी विरोधी कदम के विरोध में दिन भर प्रदर्शन कर अपना रोष व्यक्त करें। बैठक को ई0 चंद्रशेखर चौरसिया, आर0के0 वाही, मायाशंकर तिवारी, राजेन्द्र सिंह, ए0के0 श्रीवास्तव, ए0के0 सिंह,वीरेंद्र सिंह, जिउतलाल, मदन श्रीवास्तव, अमित त्रिपाठी, हेमंत श्रीवास्तव, रमाशंकर पाल, अंकुर पाण्डेय, संतोष कुमार आदि पदाधिकारियो ने संबोधित किया।

एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने किया बूस्टर डोज अभियान का उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए भारत सरकार के द्वारा आमजन को निशुल्क कोविड-19 टीकाकरण उपलब्ध कराया गया। जिसमें सभी को प्रथम एवं सेकंड डोज से आच्छादित किया गया। वही शासन के द्वारा बूस्टर डोज सभी बचे हुये लोगो को लगवाने के लिये जागरूक किया जा रहा है। जिसको लेकर जनपद में रविवार को मेगा कैंप का आयोजन किया गया। जनपद के अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों पर अलग-अलग जनप्रतिनिधियों ने शुभारंभ किया। जिसमें जिला अस्पताल ने विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल , जिला महिला अस्पताल में नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद पर राजापुर के ग्राम प्रधान अश्वनी राय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी पर भाजपा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने मेगा कैंप का शुभारंभ किया। रविवार को पूरे जनपद में लोगों ने टीकाकरण का लाभ उठाया। जिला अस्पताल में मेगा कैंप का उद्घाटन करते हुए विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल ने बूस्टर डोज से बचे हुए सभी लोगों को जल्द से जल्द अपना टीकाकरण कराने का निवेदन किया। जिससे कि लोग इस महामारी से लड़ सके। जिला महिला अस्पताल में बूस्टर डोज के मेगा कैंप का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने किया । उसके बाद स्वयं बूस्टर डोज भी लगवाया इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने आज अपना बूस्टर डोज लगवाया है। इस टीकाकरण से उन्हें किसी भी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं हुई। डॉक्टर के द्वारा बताया गया है कि हो सकता है कि हल्की बुखार आए लेकिन उससे डरने की कोई बात नहीं है। इस दौरान उन्होंने आमजन से अपील किया कि वह अपना जल्द से जल्द बूस्टर डोज लगवा कर अपने आप को सुरक्षित कर लें। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ उमेश कुमार ने बताया कि शुरू में बूस्टर डोज आमजन को निजी चिकित्सालय पर भुगतान करने के बाद लगाया जाता था। वही आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शासन ने 15 जुलाई से अगले 75 दिनों तक निशुल्क टीकाकरण कराने की योजना बनाई है। जिसके तहत रविवार को मेगा कैंप लगाया गया और इस कैंप का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण कराया जा सके। कोविड-19 की बीमारी से लोगों को बचाया जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद के चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशीष राय ने बताया कि उनके ब्लॉक के अंतर्गत कुल 46 केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें को वैक्सीन और कोविड शील्ड शामिल है। इसके अलावा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आरोग्य मेले के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। बीपीएम संजीव कुमार ने बताया कि जनपद से प्राप्त लक्ष्य 4300 के सापेक्ष लोगों का टीकाकरण किया गया। आंकड़ों की अगर हम बात करें तो पूरे जनपद का प्रकाशनरी डोज का लक्ष्य 22.58 लाख है। उसके सापेक्ष अब तक 194595 लोगों ने बचाव डोज लगा चुके है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के बचाव डोज लगाने में 33559 लोगों का टीकाकरण मोहम्दाबाद कर प्रथम स्थान पर ,सैदपुर 23669 डोज लगाकर दूसरे एवम 22940 लगाकर मिजार्पुर तीसरे स्थान पर है।

इंस्पेक्टर केडी सिंह ने आपरेशन तमंचा अभियान के तहत अवैध तमंचा व कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफतार

प्रखर संत कबीर नगर। पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार के निर्देशन में जनपद में अवैध शस्त्र रखने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे आपरेशन तमंचा अभियान के तहत रविवार को प्रभारी निरीक्षक धनघटा कृष्णदेव सिंह उर्फ केडी सिंह की देखरेख में प्रभारी चौकी लोहरैया हरेन्द्र नाथ राय मय टीम क्षेत्र भ्रमण व चेकिंग के दौरान बारीडीहा के पास से अभियुक्त हिमताज पुत्र रफीक निवासी मैली थाना धनघटा 01 अदद अवैध तमन्चा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर थाना धनघटा पर मु0अ0सं0 387 / 2022 धारा 3 / 25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया। गिरफ्तार करने वाले पुलिस बल में प्रभारी चौकी लोहरैया हरेन्द्र नाथ राय के अलावा का0 सन्तोष यादव , का0 चन्द्रशेकर यादव, का0 अमित राय ,का0 लक्ष्मीकान्त तिवारी शामिल रहे।

विलक्षण प्रतिभा के धनी थे एशिया के प्रथम नोबल पुरस्कार विजेता रबिन्द्र नाथ टैगोर

कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद, उत्कट देशभक्त, सर्वश्रेष्ठ मानवतावादी, प्रकृतिवादी, उच्च कोटि के पर्यावरणविद तथा विश्व बंधुत्व और विश्व नागरिकता के प्रखर समर्थक रबिन्द्र नाथ टैगोर भारत की साहित्यिक , सांस्कृतिक , दार्शनिक और आध्यात्मिक आत्मा के अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ अधिवक्ता थे। वह भारतीय मेधाशक्ति और ज्ञान-प्रज्ञा की महान परंपरा के रूप मे महाकवि कालिदास, माघ, जयदेव, सूरदास, सैयद इब्राहीम रसखान, और तुलसीदास की परम्परा के अपने समकालीन ध्वजवाहक थे। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की स्वरलहरियों जैसी उनकी वाणी और लेखनी में अद्भुत सम्मोहन शक्ति थी। इकलौते रबिन्द्र नाथ टैगोर भारतीय बसुन्धरा के विरले लेखक और कवि हैं जिनके लेख सम्पूर्ण बंगाली जनमानस के हृदय में समाहित है और उनके गीत हर बंगाली मन मस्तिष्क में हमेशा तरोताजा रहते हैं। अपने दौर की सारी संकीर्णताओं और दकियानूसी ख्यालों से आगे बढ़ कर रबिन्द्र नाथ टैगोर ने वैश्विक और मानवतावादी अंतर्दृष्टि अपनाते हुए अपनी साहित्यिक सर्जनाओं और रचनाओं को अभिव्यक्त किया। इसलिए पूर्वी दुनिया में पैदा हुए रविन्द्र नाथ टैगोर का पश्चिमी दुनिया ने भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के सांस्कृतिक और साहित्यिक अग्रदूत के रूप में अभिनंदन और स्वागत किया। प्रकृतिवादी, पर्यावरणवादी, मानवतावादी और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के रहस्यवादी होने के कारण रबिन्द्र नाथ टैगोर की रचनाओं ने न केवल भारत बल्कि विश्व साहित्य को गगनचुंबी बुलंदी प्रदान की और विश्व साहित्य को अत्यंत समृद्धशाली बनाया। उनकी ब्रहमांड को परखने की अंतः प्रज्ञात्मक चेतना और क्षमता, शैली की गरिमा युक्त सरलता, जाज्वल्यमान कल्पना और उत्कट दूरदर्शिता उन्हें वैश्विक क्षितिज पर एक अद्वितीय साहित्यिक स्थान प्रदान करती है। जिस तरह स्वामी विवेकानंद वैश्विक पटल पर भारतीय दर्शन और आध्यात्म के ओजस्वी संदेशवाहक थे उसी तरह टैगोर भारत की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना के सर्वश्रेष्ठ संवाहक थे।

रबिन्द्र नाथ टैगोर भारतीय पुनर्जागरण और स्वतंत्रता के प्रखर साहित्यिक सर्जक थे। स्वाधीनता संग्राम के दौरान उभरते आधुनिक भारत के आदर्शों, आकांक्षाओं, मूल्यों, मान्यताओं और लालसाओं का उन्होंने स्पष्टीकरण किया और अपनी कविताओं के माध्यम से भारतीय जनमानस से साक्षात्कार कराया। गुरु वर रविन्द्र नाथ टैगोर को भारत के गौरवशाली अतीत पर गर्व और गौरव की अनुभूति होती थी। वह हमेशा कहा करते थे कि- भारत के गगनमंडल में ही उषा की प्रथम रश्मि प्रस्फुटित हुई थी। उनके अनुसार आज विश्व में प्रचलित अधिकांश मानवता वादी मूल्यों, मान्यताओं, सिद्धांतो और श्रेष्ठतम आदर्शों का निरूपण भारतीय बसुन्धरा के वनों, गुफाओं और कन्दराओं में साधना रत युगद्रष्ट्रा ऋषियों द्वारा किया गया। महान मानवता वादी रविन्द्र नाथ टैगोर शासकीय, साम्प्रदायिक, धार्मिक और विशुद्ध भौतिकवादी साम्राज्यवादी क्रूरता के प्रबल विरोधी थे। इसलिए जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर की तर्ज पर भारत में जलियावाला बाग में जनरल डायर द्वारा की गई क्रूरता का पूरी क्षमता से भर्त्सना किया था। इसे उन्होने राक्षसी अत्याचार कहा था और तत्कालीन भारत सरकार द्वारा प्रदत्त " नाइट " की उपाधि वापस कर दिया था। उनके अनुसार अतीत में की विविध प्रकार की क्रूरताएं सम्पूर्ण वैश्विक इतिहास और मानवता के मस्तक पर कलंक है। रविन्द्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक समन्वय और अंतर्राष्ट्रीय एकता में विश्वास करने वाले अनोखे राष्ट्रवादी थे। वह उग्र तथा आक्रामक राष्ट्रवाद की हमेशा भर्त्सना किया करते थे। फिर भी वह भारतीय राष्ट्रवाद के बौद्धिक नेता बन गये। अपने पूर्ववर्ती बंकिमचन्द्र चटर्जी के साहित्यिक पुनर्जागरण आन्दोलन को शक्तिशालीय बनाया। राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में साहित्यिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण ने बंगाली राष्ट्रवाद के लिए बौद्धिक पृष्ठभूमि तैयार किया। वर्तमान भारतीय राष्ट्रगान के रचनाकार रबिन्द्र नाथ टैगोर ने यद्यपि स्वाधीनता संग्राम के घमासान और ब्रिटिश साम्राज्य के साथ चल रहे राजनीतिक युद्ध में भाग नहीं लिया परन्तु इसे वह बौद्धिक रूप से उत्प्रेरित करते रहे।

7 अगस्त : पुण्य स्मृतिओं को सादर नमन

रबिन्द्र नाथ टैगोर अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि और साहित्यकार थे । वह कवि और साहित्यकार के साथ एक महान शिक्षा शास्त्री थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके किए गए प्रयोगों और प्रयासों से आकृष्ट होकर यूरोप के बडे -बडे विद्वान उनकी विश्वभारती में आते रहते थे। भारतीय दार्शनिक परम्परा में वह मांडूक्य उपनिषद के " सत्यम् शिवम् और अद्वैतम् " की पम्परा के अनुयायी थे और ब्रह्म समाज की शिक्षाओं और अपने पिता से विरासत में मिलें एकेश्वरवाद में विश्वास करते थे। परन्तु उनके अन्दर हिब्रू एकेश्वरवादियों जैसी कट्टरता नहीं थी। उन्हें ईश्वर उच्चतम स्त्रजनशीलता में विश्वास था और परमात्मा को प्रेम की पूर्णता मानते थे। प्रख्यात जर्मन दार्शनिकों हीगल, नीत्शे और शोपेनहॉवर की तरह इतिहास के साथ साथ प्रकृति को भी शाश्वत आत्मा की अद्वितीय तथा असीम सृजनात्मक अभिव्यक्ति और प्रकटीकरण मानते थे। इसलिए वह कहते थे ऑखे बंद कर के क्या ढूँढते हो ऑखे खोलों तुम्हारा परमात्मा तुम्हारे सामने खडा है। टैगोर बसुन्धरा पर ईश्वर के अमृतमय प्रेम और करुणा के सच्चे संदेशवाहक थे। उन्होंने अपनी अमर रचना " गीतांजलि " में ईश्वरीय प्रेम की व्यापकता का खुले मन से बखान किया है तथा समस्त मानवजाति को आमंत्रित किया है कि- वह इस स्वर्णिम, ज्योतिर्मय और निर्मल प्रेम- सागर में डुबकी लगाये और इसका रसास्वादन करें। उनके अनुसार निर्मल और पवित्र प्रार्थनाओं द्वारा ईश्वरीय प्रेम का रसास्वादन किया जा सकता है। टैगोर सम्पूर्ण सृष्टि को सर्वशक्तिमान ईश्वर की सर्जना मानते थे। उनके अनुसार ब्रहमांड की यांत्रिक, जैविक और भौतिक प्रक्रियाओं में ईश्वर की व्यापकता हैं तथा प्रकृति की प्रत्येक कर्कश और कोमल घटनाओं में ईश्वर की विद्यमानता है। सरसराती हुई पत्तियाँ, वेगवती सरिताएं, तारादीप्त रातें, मध्याह्न का झुलसाने वाला ताप और मुसलाधार वर्षा ईश्वर की विद्यमानता को प्रकट करते हैं। प्रकारांतर से टैगोर प्रकृति को जड तथा भौतिक शक्तियों का यांत्रिक और संयोजन और एकत्रीकरण नहीं मानते थे बल्कि ऑधी, तूफान, महासागर, विशालकाय पर्वत, सूरज, चॉद सितारे और पृथ्वी सब कुछ ईश्वरीय आनंद का विस्फोट है। पाश्चात्य साहित्य के महान कवि गेटे की तरह टैगोर भी प्रकृति सौन्दर्यत्मक आदान-प्रदान में मंत्र-मुग्ध हो जाते थे। वह वन बाग तडाग पक्षियों के कलरव, चीलो के स्वर में आनंद की अनुभूति करते थे।

रबिन्द्र नाथ टैगोर सहकार, समन्वय, साहचर्य और सार्वभौम सामंजस्य के उत्कृष्ट साहित्यकार थे। उनका एक अलौकिक, सर्वोच्च और सार्वभौम सामंजस्यकारी विश्व शक्ति में अटूट विश्वास था। इसका अभिप्राय यह है कि- मनुष्य जाति को इस सर्वोच्च सामंजस्य कारी शक्ति की अनुभूति हो जाए तो अंतर्विरोधों से उत्पन्न कटुता और अन्तर्निषेध जनित कलह तथा कर्कशता का पूर्णतः दमन और शमन हो सकता हैं। वह मानव समुदाय के साथ मनुष्य का प्रकृति के साथ सार्थक और आनंदमय सामंजस्य स्थापित करना चाहते थे। पश्चिमी दुनिया में हुए वैज्ञानिक चमत्कारों ने पश्चिमी दुनिया के लोगों में प्रकृति पर विजय प्राप्त करने का हौसला दिया था। रविन्द्र नाथ टैगोर प्रकृति पर विजय प्राप्त करने की इस लालसा को पूर्णतः पाशविकता मानते थे। प्रकृति के साथ वह प्रकृति के प्रत्येक प्राणी के साथ दया करूणा और प्रेम का संबध चाहते थे। उनके अनुसार सूक्ष्म से सूक्ष्म प्राणी को चोट पहुंचाना ईश्वर की कल्याणकारी अनुकम्पा के विरुद्ध अपराध है। टैगोर की ईश्वरीय न्याय में गहरी और गहन आस्था थी। इसलिए वह मानते थे कि- साम्राज्यवाद, निरकुंशता, शोषण, क्रूरता और बर्बरता को कभी-न-कभी अवश्य परास्त होना होगा तथा घमंड, लोभ, उद्दन्डता की निश्चित पराजय होगी। रविन्द्र नाथ टैगोर का बचपन ब्रह्म समाज के बुद्धिवादी वातावरण में गुजरा इसलिए अपने दौर में प्रचलित अंधविश्वासों, कुरीतियों, कुप्रथाओं और निराधार मान्यताओं के प्रति उनकी दृष्टि आलोचनात्मक बनी रही। वह बुद्धि को सृजनात्मक और रचनात्मक शक्तियों का प्रदीपन मानते थे। बुद्धि सृजनात्मक और रचनात्मक शक्तियों के प्रदीपन से सुंदर और समरस समाज बनाया जा सकता हैं।

मनोज कुमार सिंह
प्रवक्ता बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ।

सउदी अरब में बनेंगे कांच के घर

दुनिया की पहली ऐसी सिटी बनने जा रही

दुबई। कच्चे तेल के पैसे से कमाई करने वाला सऊदी अरब दुनिया का आठवां अजूबा बनाएगा। सऊदी अरब ऐसा शहर बसाने जा रहा है जिसे अभी तक आपने साइंस फिक्शन फिल्मों में ही देखा होगा। इस शहर की चौड़ाई सिर्फ 200 मीटर होगी जबकि इसकी लंबाई 161 किलोमीटर होगी और ऊंचाई 500 मीटर होगी जिसमें कांच लगे होंगे।

सबसे खास बात यह है कि इस पूरे शहर को नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित किया जाएगा। इस शहर में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमॉस और हाइड्रो पावर से पैदा हुई बिजली की सप्लाई की जाएगी। सऊदी अरब ने इस शहर को 'द लाइन' नाम दिया है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य के शहर को बसाने की यह परियोजना है। प्रदूषित दुनिया में इस शहर के नागरिकों को स्वच्छ हवा मिलेगी। यहां पर बिजनेस के लिए दफ्तर, बच्चों के लिए स्कूल और कॉलेज, मनोरंजन के लिए पार्क भी वर्टिकल ही बनाए जाएंगे। दुनिया में पहली बार ऊंचाई की ओर बढ़ता हुआ शहर बनाया जाएगा। इस शहर में रहने वाले नागरिक

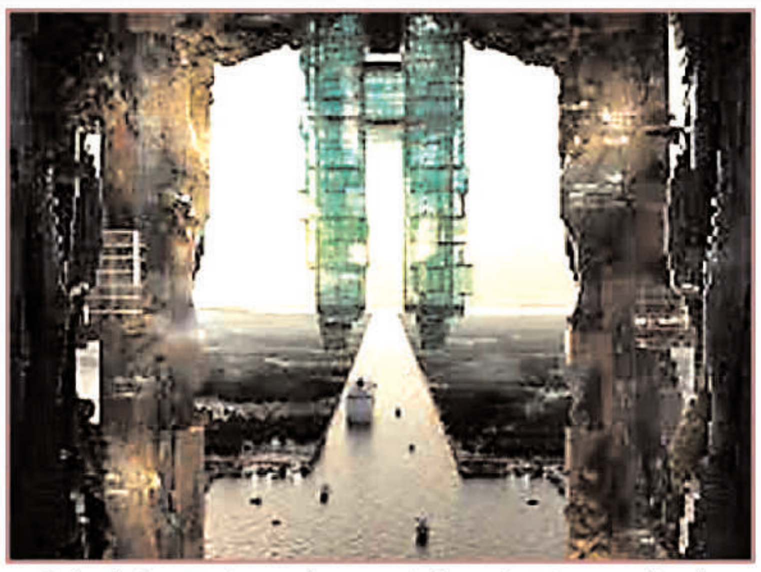

एक छोर से दूसरे छोर पर सिर्फ 20 मिनट में पहुंच जाएंगे। ऐसी इसलिए क्योंकि यहां पर एक हाई स्पीड ट्रेन चलाई जाएगी। इस शहर में घर के ऊपर घर बनाए जाएंगे। इस शहर में लेयर दर लेयर फ्लैट बनेंगे।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिल सलमान ने इस प्रोजेक्ट के बारे में सबसे पहले साल 2021 में बताया था। इस शहर को बसाने में 39.95 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। 'द लाइन' शहर को कांच की आधा किलोमीटर ऊंची दीवारों ढका जाएगा।

इस शहर में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होगा और न ही किसी प्रकार का कोई कार्बन उत्सर्जन होगा। इस शहर में 90 लाख लोगों के रहने की व्यवस्था होगी। यह पूरी तरह वर्टिकल होगा यानी खड़ा शहर। इस शहर में न सड़कें होंगी और न ही कार चलेंगी। यह शहर करीब 26,500 वर्ग किलोमीटर इलाके में बसाया जाएगा। सब कुछ ठीक रहा तो यह शहर साल 2025 तक बनकर तैयार कर दिया जाएगा। सऊदी अरब की प्रेस एजेंसी ने शहर की डिजाइनों की क्लिप जारी की है। इस शहर को आकर्षक, फ्यूचरिस्टिक और हरा भरा दिखाया गया है। घरों की छतों पर बगीचे बने हुए दिखाए गए हैं। इसमें देखने एक तरह का ही नजारा दिखाई देगा।

वरवाला पहनाकर,एक दूजे के हुए प्रेमी युगल, थाने में हुई शादी, चार वर्षों से चल रहा था प्रेम प्रसंग

प्रखर शाहगंज जौनपुर। एक फिल्म का गीत है की जब जब प्यार पे पहरा पड़ा है।तब तब प्यार और भी गहरा हुआ है। कुछ इसी गीत से मिलती जुलती कहानी नगर के मुहल्ला अम्बेडकर नगर बस्ती में घटित हुई। बताया जाता है की नगर के अम्बेडकरनगर बस्ती की अनामिका गौतम का पड़ोस के ही गगन कुमार से चार वर्ष पूर्व आंखे चार हो गयी।समय बीतने के साथ साथ दोनो काफी करीब आगये।और चोरी छुपे एक दूसरे से मिलने जुलने लगे एवं साथ जीने मरने की कसमें भी खा ली।प्रेम परवान चढ़ता गया।मगर कहा जाता है की इश्क और मुश्क छुपाये नही छिपता।यही इस प्रेमी जोड़े के साथ भी हुआ धीरे धीरे दोनो के परिजनों के बारे में सब पता चल गया और फिर शुरू हुआ इनपर बंदिश लगाने का काम मगर इनका प्यार इतना अधिक परवान चढ़ चुका था की।सारी बंदिशे और बेड़ियों को तोड़ने के लिए तैयार हो गए। शनिवार की रात गगन अपने प्रेमिका से मिलने चुपके से उसके घर मे घुस गया मगर प्रेमिका के परिजन जाग गए।और वही धर दबोचा मामला कोतवाली पुलिस तक पहुंचा।रविवार की सुबह पुलिस ने दोनों पक्षो को बुलाया तो पूरी प्रेम कहानी सामने आगयी। लड़की किसी भी तरह लड़के से अलग होने को तैयार नही थी।तो दोनों के परिजनों के आपसी सहमति से दोनों पक्ष शादी की बात पर सहमति बन गयी।और कोतवाली परिसर में स्थित मंदिर में वर और वधू ने एक दूसरे को माला पहनाकर एक दूजे के हो गए।प्रेमी ने दर्जनों की संख्या में मौजूद लोगों के सामने मंगलसूत्र और मांग में सिंदूर भर कर भगवान को साक्षी मानकर अपनी पत्नी स्वीकार कर लिया। हालांकि प्रेमिका के माँ बाप शादी से खुश नही थे और अपनी बेटी से सारे रिश्ते नाते लिखित तौर पर समाप्त कर लिया।थाने में हुई शादि नगर में चर्चा का विषय बना रहा।

मंत्री एके शर्मा ने कबीर दास जी की प्रतिमा का अनावरण किया

प्रखर डेस्क। 8 वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा जी ने उ० प्र० डिजाइन एवं शोध संस्थान, लखनऊ में सन्त कबीर दास जी की प्रतिमा का अनावरण किया एवं छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया। श्री ए के शर्मा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस संस्था के उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इतनी अच्छी-अच्छी चीजें बनाई हैं। प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, उसी कड़ी में प्रधानमंत्री जी ने आह्वाहन किया है कि हम लोग पूरे देश में तिरंगा लगायें। तिरंगे को सर्वोपरि मानना हमारा कर्तव्य है। प्रधानमंत्री जी की सोच आजादी दिलाने वालों के सम्मान को बढ़ाना है। जिस खुली हवा में हम जी रहे हैं वह स्वतंत्रता सेनानियों वीर शहीदों का त्याग एवं बलिदान है, उनको सम्मान देने के लिए हर घर तिरंगा लगाने से बेहतर काम नहीं हो सकता। उन्होंने काली कोठरियों में अपना दिन काटा तब जाकर हम उजले दिन में चैन से रह रहे हैं। झण्डा बनाने वालों को साक्षात देखने का सौभाग्य मिला, मैं उन सभी को नमन करता हूँ। कबीरदास जी न केवल बुनकर समाज से थे बल्कि हैंडलूम दिवस को मनाने के लिए, स्वदेशी उद्यम के प्रोत्साहन के लिए उनसे बड़ी कोई और प्रेरणा

नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश का मान सम्मान विश्व समुदाय में बढ़ा है एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राज्य का चौतरफा विकास हुआ है। "जात-पात पूछे ना कोई-हरि को भजै सो हरि का होई" पंक्तियों को बोलते हुए कहा कि व्यक्ति अपने कार्यों की वजह से पसन्द किया जाता है। कबीरदास जी जैसे समाजसुधारकों से प्रेरणा लेकर देश एवं राज्य को और भी आगे ले जाया जा सकता है। कबीरदास जी ने उस दौर में समाज की कुरीतियों को दूर करने का कार्य किया था। श्री शर्मा ने "पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय` ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय`" पंक्तियों को बोलते हुए कहा कि इसका भावार्थ यह था कि हम बिना किसी भेदभाव के एकजुट होकर आपसी स्नेह एवं भाईचारे के साथ रहें। इस अमृत पर्व पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे मनीषियों ने जो शिक्षा दी है उससे प्रेरणा लेकर समाज के सुधार के लिए कार्य करना चाहिए। बाल गंगाधर तिलक, रविन्द्र नाथ टैगोर ने अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विदेशी सामानों का बहिष्कार करने की अपील की थी जिसकी शुरूआत 7 अगस्त 1905 को बंगाल में की गई थी। प्रधानमंत्री जी ने इसीलिए ही 7 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की घोषणा की। भारत में एवं उत्तर प्रदेश के बुनकर एवं स्थानीय उद्यमी जितना बेहतर काम करते हैं वैसा काम विदेशों में भी नहीं होता है। राष्ट्रीय ध्वज की जितनी बिक्री होगी उतनी ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती बनेगी एवं इसको बनाने वाले हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति सबल होगी। एक व्यक्ति को अगर रोजगार मिलता है तो उसके सहयोगी के तौर पर तीन लोग लाभान्वित होते हैं।

आकाशगंगा के एलियन कर सकते हैं पृथ्वी पर हमला

चार एलियन सभ्यताएं अस्तित्व में हैं, वैज्ञानिक ने दी चेतावनी

मुंबई। ब्रह्मांड में एलियन के अस्तित्व को लेकर सालों से बहस जारी है। इस सवाल का जवाब खोजने के लिए वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिल पाई है। लेकिन दुनिया में आए दिन एलियंस को लेकर अजीबोगरीब दावे किए जाते हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। अब वैज्ञानिकों ने एलियंस के खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। एक शोधकर्ता ने दावा किया है कि हमारी आकाशगंगा में चार एलियन सभ्यताएं मौजूद हैं। उनका मानना है कि एलियन सभ्यताएं धरती पर हमला कर सकती हैं। शोध करने वाले वैज्ञानिक ने दावा किया है कि एलियन धरती पर हमला करेंगे या नहीं फिलहाल यह कहना अभी मुश्किल है। लेकिन एस्टेरॉयड के हमले से ही धरती का विनाश होगा। प्रीप्रिंट डेटाबेस में यह रिसर्च प्रकाशित किया गया है। हालांकि अभी इस स्टडी का पीयर रिव्यू नहीं किया गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एलियन सभ्यता धरती पर हमला करती है तो क्या होगा? क्या एलियन सभ्यता धरती पर हमला कर सकती है? स्पेन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विगो के डॉक्टोरल स्टूडेंट इन कॉन्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन अलबर्टो कैबारेलो ने इन सवालों के जवाब को तलाशने की कोशिश की है। उनका कहना है कि उन्होंने 1977 में अंतरिक्ष से आए सिंगनल के स्रोत का सही पता लगाया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह

जानकारी दी गई है। हालांकि माना जा रहा है कि अलबर्टो कैबारेलो की यह रिसर्च अभी एक कल्पना है। अलबर्टो कैबारेलो के रिसर्च पेपर का नाम है, दुर्भावनापूर्ण परग्रही सभ्यताओं की मौजूदगी का आंकलन। उनका मकसद इस पेपर के माध्यम से वैज्ञानिकों को चेतावनी देना है। इसके साथ ही एलियन सभ्यताओं की एक संख्या बताने का है। उनका कहना है कि ये सभ्यताएं अंतरिक्ष में भेजे जा रहे मैसेज का जवाब दे सकती हैं। इसके साथ ही अलबर्टो ने यह भी बताया है कि धरती पर किस देश ने किस देश पर हमला किया है। साल 1915 से 2022 तक 195 देशों में से 51 देशों ने किसी न किसी तरह दूसरे देशों पर आक्रमण किया है। इस मामले में पहले नंबर पर अमेरिका है जिसने 14 हमले किए हैं। उनका दावा है कि एलियंस धरती पर हमला करेंगे, क्योंकि एलियन सभ्यता पर इंसानों के हमला करने की 0.028 फीसदी संभावना है। उनका कहना है कि अभी जो तकनीक है उसको देखकर लगता है कि इंसान को अंतरिक्ष की यात्रा में 259 साल लगेंगे।अलबर्टो कैबारेलो ने चेतावनी दी है कि मैसेजिंग एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस इस्तेमाल करने में वैज्ञानिक सावधानी बरतें। उनका कहना है कि इंसानों को उनके दिमाग के बारे में नहीं पता है। दूसरी दुनिया के लोगों का दिमाग रासायनिक संरचना वाला हो सकता है। हो सकता है कि उनके अंदर मानवता न हो।

क्यों भारत में छापा गया था जीरो रुपए का नोट

रिजर्व बैंक ने इन नोटों को नहीं प्रिंट किया था

नई दिल्ली। आपने एक रुपये से लेकर 2 हजार रुपये तक के नोट को देखा होगा। भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा छापे जाने वाले इन नोटों का इस्तेमाल हम सभी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। लेकिन हम आपको एक ऐसे नोट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर हैरान रह जाएंगे। क्या आपको पता है कि देश में जीरो रुपये का नोट भी छपा था? ऐसा क्यों किया गया था, इसकी कहानी भी दिलचस्प है। जीरो रुपये के नोट पर भी राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की तस्वीर छापी गई है। यह बिल्कुल दूसरे

नोटों की तरह दिखाई देता है। लेकिन अब आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर जीरो रुपये के नोट क्यों छापे गए। इस नोट का होता क्या होगा? रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इन नोटों को नहीं छापा था। इस नोट को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मुहिम के तहत छापा गया था।

इस जीरो रुपये के नोट को छापने का आईडिया दक्षिण भारत की एक एनजीओ का था। साल 2007 में भ्रष्टाचार के खिलाफ इस नोट को हथियार के रूप में शुरू किया गया था। तमिलनाडु में काम करने वाली इस एनजीओ ने करीब 5 लाख जीरो रुपये के नोट छापे थे। इन नोटों को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम चार भाषाओं में छापा गया था, जिसे लोगों में बांट दिया गया। इस नोट पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कई मैसेज लिखे थे। इन नोट पर लिखा था, 'भ्रष्टाचार खत्म करो', 'अगर कोई घूस मांगता है, तो इस नोट को दें और मामले के बारे में हमको बताएं। न लेने की और न देने की कसम खाते हैं। इस नोट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और नोट पर नीचे एनजीओ का फोन नंबर और ईमेल आईडी दी गई थी। एनजीओ ही इस जीरो रुपये के नोट को बनाती थी और रिश्वत मांगने वाले लोगों को देती थी। जीरो रुपये का नोट भ्रष्टाचार के खिलाफ एक प्रतीक था।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बीएसए वाराणसी को देगा 1100 झंडे

प्रखर वाराणसी। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्र हित में शिक्षा,शिक्षा हित में शिक्षक, शिक्षक हित में समाज के अपने सिद्धांत के अनुरूप राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अपने संस्थापना काल से ही जहां अपने छात्रों के मन में संस्कारों के बीजारोपड़ के साथ राष्ट्र प्रेम की भावना को भरने का काम करता रहा है वहीं वह समाज में भी देशप्रेम की भावना को जाग्रत करने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित करता रहा है क्योंकि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का मानना है कि राष्ट्र सर्वोपरि है शेष चीजें उसके बाद हैं इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय चरित्र का विकास करने वाले किसी भी आयोजन को बिना शर्त समर्थन देने की आवश्यकता है अपने इसी सोच के अनुरूप राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 11 अगस्त 2022 से 17 अगस्त 2022 तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा कार्यक्रम में सहयोग करने का निर्णय लिया है जिसके क्रम में वह अपने स्तर से जिला बेसिक

शिक्षाधिकारी वाराणसी राकेश सिंह को सोमवार 8 अगस्त 2022 को दोपहर 3 बजे अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ 1100 राष्ट्रीय ध्वज सौंपेगा। प्रेस वार्ता में कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने बताया की राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की सभी ब्लाक इकाइयों ने पांच-पांच सौ झंडे पहले ही अपने खंड शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध करा दिया है। इस हिसाब से राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अपने तरफ से लगभग 5600 झंडे बेसिक शिक्षा वाराणसी को उपलब्ध करा रहा है, जिसके लिए उसने प्रति झंडा 21 रुपए के दर से कुल लगभग एक लाख बारह हजार रुपए देश के नाम स्वयं की इच्छा से खर्च किया है और इसके लिए सिर्फ अपने पदाधिकारियों का सहयोग लिया है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय शेखर", जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश एवं संयुक्त महामंत्री आशुतोष पाण्डेय शामिल रहे।

यहां सब्जी मंडी से गुजरती है ट्रेन

लेकिन किसी को कोई परेशानी नहीं होती

बैंकाक। दुनिया में कई ऐसे ट्रेन रूट जो अपनी अजीबोगरीब कारणों की वजह से जाने जाते हैं। इनमें से जहां कुछ तो इतने सुंदर होते हैं कि देखते ही मन मोहित हो जाता है तो वहीं कई ट्रेनें तो इतने दुर्गम इलाकों से होकर गुजरती हैं कि अगर आप उनमें बैठेंगे तो रास्ता देखकर डर जाएंगे। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे ट्रेन रूट के बारे में सुना है। जहां ट्रेन मार्ग बीच बाजार से होकर गुजरता है। हम बात कर रहे हैं फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट की। अब आपके मन में सवाल तो जरूर उठ रहा होगा कि ये कैसा नाम है। दरअसल, एक संकरे रास्ते से गुजरने वाली ट्रेन की पटरी के अगल-बगल सब्जी की दुकानें लगाई जाती हैं। जैसे ही ट्रेन यहां से गुजरती है, वैसे ही दुकानादार अपनी दुकान के पर्दे फोल्ड कर के हटा लेते हैं जिससे ट्रेन आसानी से निकल जाती।

ये ट्रेन रूट इतना काफी फेमस है कि इसे दुनियाभर से लोग देखने आते हैं। थाइलैंड के बैंगकॉक में मौजूद है। यहां एक रेल मार्ग बीच बाजार से होकर गुजरता है। यहां ग्राहक सब्जियां खरीदने भी आते हैं मगर उनसे भी ज्यादा टूरिस्ट इस जगह को देखने के लिए आते हैं जो काफी हैरान रह जाते हैं।

आपको बता दें कि ये फोल्डिंग मार्केट सुबह के 6 बजे से शाम के 6 बजे तक लगती है। सब्जियों के अलावा यहां फल, मीट, सी फूड आदि भी मिलता है। थाइलैंड टूरिज्म अथॉरिटी के अनुसार ये दृश्य एक दिन में 8 बार देखने को मिलता है। यानी ट्रेन कुल 4 बार महाचाई से माइकलॉन्ग जाने के लिए यहां से गुजरती है और फिर माइकलॉन्ग से वापस महाचाई लौटती है।

अंग्रेजी वेबसाइट सीएनएन में छपी की रिपोर्ट के मुताबिक माइकलॉन्ग स्टेशन बैंकॉक से करीब 80 किलोमीटर दूर है। इस रास्ते को बिना

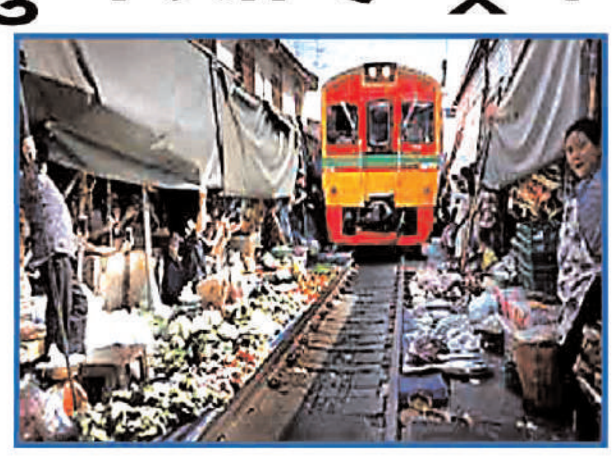

ट्रेन से पार करने पर डेढ़ घंटे का वक्त लग सकता है इसलिए ट्रेन से ही ज्यादातर यात्री सफर करना चाहते हैं। इसके अलावा इस इलाके में एमफावा फ्लोटिंग मार्केट भी स्थित है जो फ्राइडे से संडे तक, दिन के 2 बजे से रात के 3 बजे तक खुला रहता है।

हंसगुल्ले

टीचर- लॉफर और ऑफर में क्या फर्क है?
स्टूडेंट- बहुत आसान है मैम आई लव यू अगर लड़का कहे तो लॉफर
लड़की कहे तो ऑफर
दे थप्पड़...दे थप्पड़...दे थप्पड़...

एक बिहारी लड़के की तपस्या से प्रसन्न होकर स्वर्ग की अप्सरा दर्शन देकर बोली...
अप्सरा- मांगो, क्या चाहिए...?
बिहारी-चुपचाप रहा...
अप्सरा अमृत देकर बोले- इससे तुम्हें अमरता मिल जाएगी।
बिहारी-अभी नहीं पी सकता...
अप्सरा-क्यों...
बिहारी- अभी गुटखा खा रखा हूं, थूंक नहीं सकता हूं। अमृत दे दीजिए। घर जाकर पी लूंगा।

रोमांटिक मूड में पति अपनी पत्नी के पास जाकर गुनगुनाकर बोला...
पति-तुझमें रब दिखता हैं, यारा मैं क्या करूं?
पत्नी- करना क्या है, रोजाना 2000 का नोट मेरे वॉलेट में रख दिया कर...

अपनी बदहाली पर आशु बहा रहा नार्मल मैदान का शहीद स्तंभ

साल में दो बार शहीद स्तंभ पर उपजिलाधिकारी के द्वारा किया जाता है ध्वजारोहण शहीद स्तंभ के विस्थापित व जीर्णोद्वार के लिए जिलाधिकारी को सौंपा गया था पत्रक

प्रखर केराकत जौनपुर। महात्मा गांधी के नेतृत्व में 8 अगस्त 1942 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन का बिगुल बजते ही देश की जनता नई क्रांति की इबादत लिखने को बेताब हो उठी। क्रांति की इस लड़ाई में जौनपुर जिले के तहसील केराकत के शूरवीरों ने भी भारत माँ को आजाद कराने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े। अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों और संघर्ष से केराकत के शूरवीरों ने अंग्रेजो के खिलाफ जबरदस्त हमला किया और अंग्रेजी हुकूमत को नाकों चने चबाने को मजबूर कर दिए। अंग्रेजी हुकूमत की दमनकारी नीति क्रांतिकारियों का यह आंदोलन नागवार गुजरा। क्रांतिकारियों के लगातार हमले से खफा अंग्रेजी हुकूमत ने क्रांतिकारियों पर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीकांड में जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों के ग्यारह वीर योद्धाओं ने अपनी आहुति दी और शहीद होकर इतिहास के पन्नो में अपना नाम अमर कर गए। इन अमर शहीदों की याद में केराकत नगर के नार्मल मैदान में शहीद स्मारक की स्थापना की गई है।पर अफसोस होता है कि भारत छोड़ो आंदोलन में अपना बलिदान देने वाले इन शूरवीरों की याद में बना शहीद स्तम्भ आज की तारीख में जीर्ण-शीर्ण हो चुका हैं। जिन क्रान्तिकारियों ने देश के लिए खुद को समर्पित किया आज उनके बलिदान को जीर्ण शीर्ण होकर अपमानित होना पड़ रहा है।जबकि पत्रकार का एक दल शहीद स्तंभ को विस्थापित कर जीर्णोद्वार के लिये जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मिल पत्रक सौंप मांग की गई थी। पर नगर पंचायत द्वारा धन का अभाव दिखाकर मामले को निस्तारण कर दिया गया। शहीद स्तम्भ की स्थिति को देखकर मन-मस्तिष्क में एक ही प्रश्न बार-बार कौंधता है कि देश के लिए शहीद होने वाले वीर सपूतों को आजाद देश द्वारा इसी तरह का सम्मान और स्थान मिलता है।

जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधि जानबूझकर उपेक्षित पड़े शहीद स्तंभ को करते है नजर अंदाज - शहीद स्तंभ की स्थिति देख दिल सिहर उठता है मन एक ही सवाल पैदा होता है कि क्या देश के लिये शहीद होने वाले वीर सपूतों के शहादत को आजाद भारत में यही सम्मान मिलता है? साल में दो बार गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस को शहीद स्तंभ की रंगाई पुताई की जाती है और शहीद स्तंभ पर ध्वजारोहण उपजिलाधिकारी के द्वारा किया जाता है पर अफसोस होता है कि ध्वजारोहण करने आये उपजिलाधिकारी का ध्यान राष्ट्रीय ध्वज के फहरने पर तो पड़ता है मगर उपेक्षित पड़े शहीद स्तंभ पर नहीं पड़ता है क्या जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधि जानबूझकर उपेक्षित पड़े शहीद स्तंभ को नजर अंदाज करते है?

शिलापट्ट पर अंकित 11 क्रांतिकारियों में जनोहर सिंह हैदरपुर बक्सा (धनिया मऊ गोली कांड), राम अघोर सिंह, राम महिपाल सिंह, राम निहोर कहार, नंदलाल (अधौरा गोली कांड) महावीर सिंह, विजेंद्र सिंह व माता प्रसाद शुक्ल (मछलीशहर गोली कांड) राम दुलार सिंह, रामानन्द (अमरौरा गोली कांड), व राधुराई (बक्सा) शहीदों के नाम अंकित हैं।

इस पहाड़ी पर पत्थर फेंकने से पता चलता है गर्भ में लड़का है या लड़की

झारखंड। सामान्य तौर पर गर्भ में पल रहे शिशु के लिंग का पता करने के लिए सोनोग्राफी का सहारा लिया जाता है, लेकिन ये कानूनी तौर पर अपराध है। तकनीकी काफी तेजी से विकास कर रही है पर झारखंड में एक ऐसा इलाका है जहां प्राचनी परंपरा निभाई जाती है और परंपरा ऐसी की जिसके बारे में जानकर आप दांतों तले उंगली दबा सकते हैं। झारखंड के लोहरदगा स्थित खुखरा गांव में एक ऐसी पहाड़ी भी है जो गर्भ में पल रहे नवजात लड़का है या लड़की इस बारे में बता देती है।

स्थानीय लोगों का इस बारे में कहना है कि एक भी रुपये खर्च किए बिना हम यह पता कर सकते हैं। यह रिवाज यहां चार सौ साल पहले नागवंशी राजाओं के शासन काल से चली आ रही है। लोगों

के मुताबिक ये पर्वत बीते 400 सालों से लोगों को उनके भविष्य के बारे में जानकारी दे रहा है। इस पर्वत के प्रति लोगों की बहुत श्रद्धा है। लोगों का कहना है कि इस पहाड़ी पर चांद के आकारी की आकृति बनी हुई है, जो नवजात शिशु के लिंग के बारे में बताती है। जानकारी के लिए बता दें कि इस पहाड़ी पर पत्थर मारकर इस बात की जांच की जाती है। गर्भवती महिला एक निश्चित दूरी से पत्थर को इस पहाड़ी पर बने चांद की ओर मारती है। अगर पत्थर चंद्रमा के आकार के ठीक बीच में जाकर लगा तो यह समझा जाता है कि गर्भ में लड़का है और अगर वह पत्थर चंद्रमा के बाहर लगे तो माना जाता है कि गर्भ में पल रही नवजात लड़की है। वैसे गर्भ में पल रहे शिशु का लिंग पता करने का तरीका कोई भी हो उसे बंद कर देना चाहिए। इससे भ्रूण हत्या को बढ़ावा मिलता है।

महिलाओं में पहली बार एलटीएल और मोटापे के बीच संबंध मिला

- टाइप-2 मधुमेह के प्रति संवेदनशील महिलाओं में एलटीएल और मोटापे के बीच के संबंध की जांच करने वाला यह पहला अध्ययन
- शोधकर्ताओं ने बयान में दावा किया, यह पहले से ही मालूम है कि एलटीएल का संबंध बढ़ती उम्र और उससे जुड़ी बीमारियों, मसलन-मोटापे, टाइप-2 मधुमेह और दिल की बीमारी से है।

नई दिल्ली (भाषा)। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि 2015 से 2020 के बीच किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि एक 'बायोमार्कर' ल्युकोसाइट टेलोमीयर लेंथ (एलटीएल) का संबंध ऐसी महिलाओं में मोटापे से हैं, जिनके रक्त में शर्करा की मात्रा अधिक होती है या फिर जो टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित होती हैं। 'बायोमार्कर' स्वाभाविक रूप से पैदा होने वाला ऐसा तत्व है, जिससे किसी रोग की पहचान की जा सकती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, 'एलटीएल' का स्तर जन्म के समय सबसे अधिक होता है। किशोरावस्था में इसमें तेजी से गिरावट देखने को मिलती है और फिर बुढ़ापे तक 'एलटीएल' में कमी की गति धीमी पड़ जाती है।

दिल्ली के एक अस्पताल द्वारा बृहस्पतिवार को जारी बयान के मुताबिक, जुलाई 2015 से दिसंबर 2020 तक किए गए अध्ययन में उत्तर भारत की कुछ ऐसी महिलाओं (20-60 साल की आयु) को चुना गया, जो छह से अधिक महीनों से वहां रह रही थी। इनमें से 797 महिलाओं (492 मोटापे की शिकार, 305 सामान्य वजन वाली) को टाइप-2 मधुमेह नहीं था, लेकिन उनके खून में शर्करा का स्तर ज्यादा था। इन महिलाओं के जनसांख्यिकी संबंधी आंकड़े, चिकित्सकीय रिकार्ड और खाली पेट उनके रक्त में मौजूद शर्करा के स्तर का मूल्यांकन किया गया।

इस अध्ययन की रूपरेखा 'फोर्टिस सी-डाक हास्पिटल फार डायबिटीज एंड एलाइड सांइसेज' के कार्यकारी अध्यक्ष डा. अनूप मिश्रा ने तैयार की। अध्ययन के नतीजे 'बीएमजे ओपन डायबिटीज रिसर्च एंड केयर जर्नल' के हालिया अंक में प्रकाशित किए गए हैं। शोधकर्ताओं ने बयान में दावा किया, यह पहले से ही मालूम है कि एलटीएल का संबंध बढ़ती उम्र और उससे जुड़ी बीमारियों, मसलन-मोटापे, टाइप-2 मधुमेह और दिल की बीमारी से है। लेकिन यह अध्ययन टाइप-2 मधुमेह के प्रति संवेदनशील महिलाओं में एलटीएल और मोटापे के बीच के संबंध की जांच करने वाला पहला अध्ययन है।

मंकीपॉक्स से घबराने की जरूरत नहीं

मंकीपॉक्स में खसरा और चिकन-पाक्स जैसे वायरस के भी लक्षण शामिल हैं। इस वायरस से लोग ठीक हो जाते हैं लेकिन कभी -कभी आंख, मस्तिष्क में संक्रमण का खतरा उत्पन्न हो जाता है।

गर्भवती महिलाओं और आठ वर्ष से कम उम्र के बच्चों को इस वायरस से अधिक खतरा होता है।

हैदराबाद (वार्ता)। तेलंगाना के अपोलो क्रैडल एंड चिल्ड्रन हास्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ ए पाणि ने कहा कि मंकीपॉक्स वायरस के अन्य व्यक्ति में प्रसारित होने में अधिक समय लगता है, जिससे घबराने की जरूरत नहीं है। डा. पाणि ने एक विज्ञप्ति में बताया कि मंकीपॉक्स में खसरा और चिकन-पाक्स जैसे वायरस के भी लक्षण शामिल हैं। इस वायरस से लोग ठीक हो जाते हैं, लेकिन कभी-कभी आंख, मस्तिष्क में संक्रमण का खतरा उत्पन्न हो जाता है।

बाल रोग विशेषज्ञ ने कहा कि गर्भवती महिलाओं और आठ वर्ष से कम उम्र के बच्चों को इस वायरस से अधिक खतरा होता है। उन्होंने कहा कि टीका वायरस के खतरे को कम करने में सहायक है। डा. पाणि ने कहा कि मंकीपॉक्स के मामले में दो टीकों को खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (एफडीए)- जिनियोस और एसीएएम 000 द्वारा अनुमोदित और लाइसेंस दिया गया है, लेकिन दोनों अभी तक भारत में उपलब्ध नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं पूर्व मोनोक्लोनल एंटीबाडी के माध्यम से इस वायरस की चपेट में आने से छुटकारा पा सकती हैं। उन्होंने बताया कि मंकीपॉक्स संक्रमण शारीरिक संपर्क से फैलता है। इस वायरस के लक्षणों के स्पष्ट होने में पांच दिनों से लेकर तीन सप्ताह तक का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में इसका जोखिम कम है।

उन्होंने कहा कि बचाव के उपाय करने पर इस वायरस से बचा जा सकता है। इस वायरस के लक्षण, शरीर पर दाने, बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान है। इन लक्षणों के उत्पन्न होने पर व्यक्ति को तुरंत डाक्टर से संपर्क करना चाहिए। बाल रोग विशेषज्ञ ने कहा कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर, रक्त जांच की जा सकती है। देश में अभी मंकीपॉक्स के मामले बहुत कम है।

मिस यूनिवर्स हरनाज वजन बढ़ने से परेशान थीं

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू ने अपने बढ़े वजन और उसके बाद मिलने वाली धमकियों को लेकर खुलासा किया है। इसके साथ ही हरनाज संधू ने बताया कि कैसे इन सबसे निकलकर उन्होंने खुश रहना सीखा।

भारतीय मूल की ब्यूटी क्वीन ने बताया, शारीरिक रूप से मैं एक तरह से बड़ी हो गई हूं, अपना वजन बढ़ा लिया है, जिसके बारे में मैं अभी पूरी तरह से सहज हूं। लेकिन इस वजन से शायद कुछ लोगों को काफी दिक्कतें हैं, वजन बढ़ाने के लिए मुझे धमकाया गया था। यह देखना मेरे लिए असुविधाजनक और वास्तव में आश्चर्यजनक था कि कैसे लोगों ने अपनी राय रखना शुरू कर दिया, जो वास्तव में मायने नहीं रखते। यह इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं, यह इस बारे में है कि आप अंदर से क्या और कौन हैं और आप लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और आप किस पर विश्वास करते हैं। मैं वास्तव में अपने लक्ष्य की ओर केंद्रित थी और मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में नहीं सोच रही थी। पूरे समय हम काम कर रहे थे, बहुत सारी गतिविधियां कर रहे थे और जीतने के ठीक बाद, मेरे पास आराम करने के लिए लगभग एक महीना था। उस समय के दौरान, मैंने वास्तव में काम नहीं किया था, और मैं सिर्फ खाना खा रही थी और अपने परिवार के साथ उस समय का आनंद ले रही थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह मेरे शरीर पर दिखना शुरू हो जाएगा। तो ऐसे में कुछ ऑनलाइन टिप्पणियां बहुत क्रूर थीं। हरनाज संधू ने कहा, ऐसे में मैंने बहुत कुछ सहा, मुझे बहुत बुरा लगा, यहां तक कि मैं टूट गई। यह वास्तव में दुखद था।

प्रख्यात नृत्यांगना गरिमा हजारिका का निधन

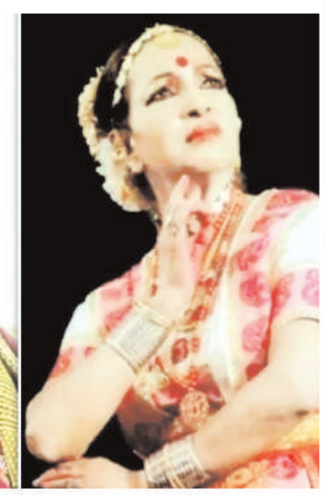

हजारिका ने नृत्य की सत्रिया परंपरा को दुनिया तक ले जाने और महिलाओं के बीच इसे लोकप्रिय बनाया। वह 16 असमिया फिल्मों में नृत्य निर्देशक भी रहीं

उनके पति कृष्णमूर्ति हजारिका भी प्रख्यात शास्त्रीय नर्तक थे

गुवाहाटी (भाषा)। असम की प्रख्यात नृत्यांगना और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गरिमा हजारिका का शुक्रवार को निधन हो गया। उनके परिवार के लोगों ने यह जानकारी दी। हजारिका वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से जूझ रही थी। वह 83 वर्ष की थीं। हजारिका के परिवार में उनका बेटा, बहू और एक पोता है। उनके पति कृष्णमूर्ति हजारिका भी प्रख्यात शास्त्रीय नर्तक थे। गरिमा हजारिका ओडिसी और कथक नृत्य विधा में भी कुशल थीं।

शास्त्रीय नृत्य परंपरा के तहत सत्रिया नृत्य विधा पहले 'सत्रा' या वैष्णव मठों तक ही सीमित थी और पुरुषों द्वारा इस नृत्य का अभ्यास किया जाता था। हजारिका ने नृत्य की इस परंपरा को दुनिया तक ले जाने और महिलाओं के बीच इसे लोकप्रिय बनाया। वह 16 असमिया फिल्मों में नृत्य निर्देशक भी रहीं। प्रख्यात नृत्यांगना को संगीत नाटक अकादमी, असम शिल्पी दिवस और असम नाट्य सम्मेलन पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हजारिका के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने कहा कि राज्य ने एक प्रमुख सांस्कृतिक व्यक्तित्व खो दिया है। उन्होंने कहा, मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

मृणाल के पोस्ट पर दुलकर ने उड़ाया मजाक

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता दुलकर सलमान और उनकी सह-कलाकार मृणाल ठाकुर निश्चित रूप से बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि उनकी फिल्म 'सीता रामम' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और सोशल मीडिया पर उनकी ताजा पोस्ट इसका सबूत है। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों थे। क्लिप में अभिनेता एक विमान में नजर आ रहे हैं। मृणाल कैमरे की ओर देख रही हैं और कह रही हैं हे भगवान, मैं बहुत उत्साहित हूं।

वह फिर दुलकर की ओर कैमरा घुमाती है, जो अत्यधिक उत्साहित तरीके से मृणाल की नकल करते हैं और वही पंक्तियां कहते हैं। इसके बाद दोनों जमकर ठहाके लगाते हैं। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, सीता रामम थिएटर में दोस्तों हे भगवान, मैं बहुत उत्साहित हूं हैशटैगसीतारामम। 'सीता रामम' हनु राघवपुड़ी द्वारा लिखित और निर्देशित एक तेलुगु भाषा की रोमांटिक फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और सुमंत भी हैं। फिल्म लेफ्टिनेंट राम नाम के एक अनाथ सैनिक की कहानी बताती है, जिसका जीवन सीता नाम की एक लड़की से एक पत्र मिलने के बाद बदल जाता है।

संजय मिश्रा की 'होली काउ' का टीजर रिलीज

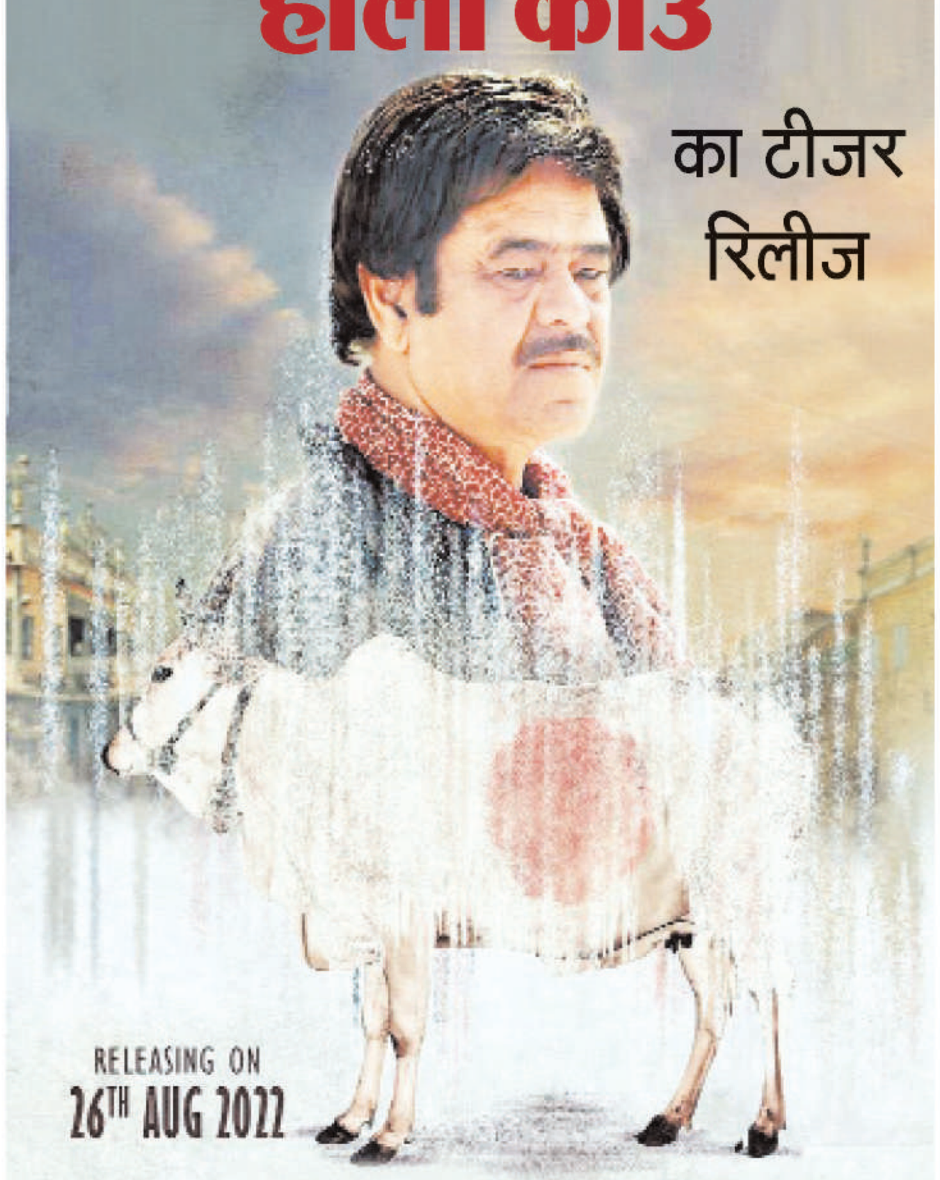

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में अपने कॉमिक अभिनय के लिए मशहूर संजय मिश्रा की आने वाली फिल्म 'होली काउ' का टीजर रिलीज हो गया है। संजय मिश्रा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'होली काउ' को लेकर चर्चा में है। हाल ही में इस फिल्म से संजय मिश्रा का फर्स्ट लुक सामने आया था। अब मेकर्स ने 'होली काउ' का आफिशियल टीजर रिलीज कर दिया है। इस टीजर में आप देख सकते हैं कि संजय अपनी गाय रुखसार की खोज करते नजर आ रहे हैं।

वह जगह-जगह जाकर लोगों से पूछताछ कर रहे हैं कि किसी ने उनकी रुखसार को देखा है क्या? 'होली काउ' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक कैमियो रोल प्ले करने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन साई कबीर कर रहे हैं। 'होली काउ' वाईटी एंटरटेनमेंट को समर्थित है और आलिया सिद्दीकी और बलजिंदर खन्ना ने इसका निर्माण किया है। फिल्म 'होली काउ' में संजय मिश्रा, फिल्म निर्माता तिग्मांशु धूलिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आने वाले हैं। यह एक डार्क कामेडी फिल्म है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका अदा करते दिखाई देंगे। 'होली काउ' 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शूटिंग और डबिंग में व्यस्त हैं रश्मिका मंदाना

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इस समय मुंबई में अपने काम की प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रही हैं और रणबीर कपूर के साथ अपनी दो आगामी हिंदी परियोजनाओं 'एनिमल' की शूटिंग भी कर रही हैं, साथ ही अपनी पहली बालीवुड फिल्म 'गुडबाय' की डबिंग भी कर रही हैं। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया, रश्मिका वर्तमान में अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग के साथ व्यस्त कार्यक्रम पर काम कर रही है। अभी, वह मुंबई में है, वर्तमान में शहर में 'एनिमल' की शूटिंग कर रही है। उन्होंने कहा, उन्होंने हाल ही में दिल्ली में फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग की थी। अब वह 'अलविदा' के लिए डबिंग शुरू करेंगी और दोनों फिल्मों के बीच तालमेल बिठाएंगी। काम के मोर्चे पर, 'एनिमल' और 'अलविदा' के अलावा, रश्मिका की किटी में 'पुष्पा' 2 का सीक्वल है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'मिशन मजनू' और विजय थलापट्टी के साथ 'वरिसू' है।

युवाओं की भावना को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए 'अमृत महोत्सव' स्वर्णिम अवसर : मोदी

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति का जो जज्बा था, उसे मौजूदा पीढ़ी में भरने और इसका इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण में करने की जरूरत है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' पर गठित समिति की तीसरी बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भावना के साथ जुड़े कार्यक्रम इस अभियान का केंद्र है जो देश में 'देशभक्ति' का माहौल बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जो देशभक्ति का जज्बा दिखा था, वह अभूतपूर्व है। उसी जज्बे को हमें अपनी मौजूदा पीढ़ी में भरना है और इसी भावना का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण के लिए करना है।' प्रधानमंत्री को उद्धृत करते हुए यहां जारी बयान के मुताबिक, 'हमारे युवाओं को राष्ट्र निर्माण के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ने का यह स्वर्णिम अवसर है।' मोदी ने कहा कि भारत को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के लिए पोषित किया जाना चाहिए क्योंकि एकजुट राष्ट्र ही प्रगतिशील राष्ट्र होता है। इस संदर्भ में उन्होंने रेखांकित किया कि 'तिरंगा' एकता का प्रतीक है, जो देश के लिए सकारात्मकता और समृद्धि लेकर आता है।

भारत के दबाव के बाद श्रीलंका ने चीन से अपने 'जासूसी' जहाज की यात्रा टालने का किया आग्रह

कोलंबो (आईएएनएस)। अपने निकटतम पड़ोसी भारत के दबाव के बीच, श्रीलंका ने चीन से दक्षिणी हंबनटोटा में चीनी नियंत्रित बंदरगाह पर विवादास्पद चीनी जहाज 'युआन वांग 5' के प्रवेश को टालने का आग्रह किया है।

कोलंबो में चीनी दूतावास को लिखे एक पत्र में, श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'मंत्रालय अनुरोध करना चाहता है कि हंबनटोटा में जहाज युआन वांग 5 के आगमन की तारीख को इस मामले पर आगे के परामर्श तक स्थगित कर दिया जाए।' 12 जुलाई को चीनी जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह में प्रवेश करने की अनुमति देने का जिक्र करते हुए विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया था। श्रीलंका ने ईंधन भरवाने के लिए पोत को हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डालने की अनुमति देने की घोषणा की थी। हालांकि इसके तुरंत बाद भारत ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। भारत के आपत्ति जताने के बाद श्रीलंका की रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने बीजिंग प्रशासन से कहा है कि वह अगली बातचीत तक अपने स्पेस सैटेलाइट ट्रैकर पोत युआंग वैंग-5 की हंबनटोटा बंदरगाह का दौरा स्थगित कर दें। चीन को लीज पर दिए गए हंबनटोटा बंदरगाह पर युआंग वैंग-5 पोत ईंधन भरवाने और खाद्य आपूर्ति के लिए लंगर डालने वाला है, जिसके बाद उसके रवाना होने का कार्यक्रम निर्धारित है। चीनी 'जासूसी' जहाज के दौरे से हफ्तों पहले भारत ने श्रीलंका सरकार से अपनी चिंता जाहिर की थी। भारत ने आगाह किया था कि वह चीनी 'रिसर्च' पोत के आगमन की पृष्ठभूमि में, उसकी सुरक्षा के संबंध में सभी घटनाओं पर

स्पेस सैटेलाइट ट्रैकर पोत युआंग वैंग-5 की 11 अगस्त को हंबनटोटा पहुंचने की योजना है

बारीकी से नजर रखता है, जिसके 11 अगस्त को हंबनटोटा पहुंचने की योजना है। 1987 में हस्ताक्षरित एक द्विपक्षीय समझौते के अनुसार, भारत के हितों के प्रतिकूल किसी भी देश द्वारा किसी भी श्रीलंकाई बंदरगाह को सैन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। भारत की चिंता के जवाब में, श्रीलंका ने पहले कहा था कि चीनी जहाज की यात्रा केवल 'ईंधन भरने और अन्य सुविधाओं' के लिए ही है। इसके बारे में स्पष्टीकरण देते हुए कैबिनेट प्रवक्ता और मीडिया मंत्री बंडुला गुणर्वडेना ने कहा था, 'जहाज या उसके चालक दल के सदस्य श्रीलंका में किसी भी आंतरिक मामलों या व्यापार में शामिल नहीं होंगे। चीन और भारत ने हमेशा श्रीलंका को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सच्चे दोस्त के रूप में मदद की है।'

उन्होंने कहा था, 'श्रीलंका सदियों से दोनों देशों के बीच मौजूद अच्छी समझ और विश्वास को नुकसान पहुंचाने के लिए कुछ भी नहीं करेगा। किसी भी परिस्थिति में श्रीलंका भारत या चीन के हितों के लिए हानिकारक नहीं होगा क्योंकि दोनों देशों ने जरूरत पड़ने पर श्रीलंका से मित्रता निभाई है और हर समय श्रीलंका के साथ खड़े रहे हैं।'

जनरल बाजवा ने अब यूएई और सऊदी अरब से मांगा राहत पैकेज

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने नकदी की कमी से जूझ रहे अपने देश के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के तहत अब सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से संपर्क किया है। मीडिया की एक रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी सामने आई है।

नकदी की भारी कमी से जूझ रहा है पाकिस्तान

इससे कुछ दिन पहले जनरल बाजवा ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.7 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण राहत पैकेज दिलाने के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी। पाकिस्तान के दैनिक समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, जैसा कि आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड की इस महीने के अंत में बैठक होने वाली है, जिसमें पाकिस्तान के लिए औपचारिक रूप से 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि की अगली किस्त को मंजूरी दी जाएगी।

आईएमएफ चाहता है कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान अपने मित्र देशों की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करे। ऐसा माना जाता है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान से कहा है कि वह इस बात की पुख्ता गारंटी दे कि उसके दोस्त उसकी बाहरी जरूरतों के लिए चार अरब डॉलर मुहैया कराएंगे। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान आवश्यक धन मुहैया कराने के लिए सऊदी अरब, यूएई और चीन जैसे प्रमुख सहयोगियों के साथ बातचीत कर रहा है।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी बांग्लादेश के दौरे पर

ढाका (वार्ता)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी अपनी निर्धारित दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को बांग्लादेश पहुंचकर उनके नेताओं के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। राजनायिक सूत्रों के मुताबिक यात्रा के दूसरे दिन वह अपने बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन से मुलाकात करेंगे। समझा जाता है कि द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा चीन की नजर भूराजनीतिक और रणनीतिक सहायता पर होगी। बांग्लादेश अपने पक्ष में व्यापार बढ़ाने, विभिन्न विकास परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन और रोहिंग्या प्रत्यावर्तन पर ध्यान केंद्रित करेगा। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार सुबह चीनी विदेश मंत्री मोमेन से मुलाकात के बाद कम से कम पांच दस्तावेजों और एमओयू पर हस्ताक्षर कर सकते है। बाद में यी प्रधानमंत्री शेख हसीना से शिष्टाचार भेंट करेंगे।

राजनयिक सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश निवेश को बढ़ावा देने और चीनी बाजार में अपने उत्पादों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच पर जोर देगा। करीब 98 प्रतिशत बांग्लादेशी उत्पादों को चीनी बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल रही है। अब वह सौ फीसद उत्पादों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच की मांग करेगा। दोनों देशों के बीच वार्ता में बांग्लादेश रोहिंग्या प्रत्यावर्तन का मुद्दा उठाएगा। बांग्लादेश विदेश राज्य मंत्री शहरियार आलम ने कहा, "रोहिंग्या मुद्दा हमारी तरफ से सर्व प्राथमिकता मुद्दा है। इस मुद्दे पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी।"

अमेरिकी मंत्री मिशेल पहुंचेंगी ढाका

ढाका (वार्ता)। अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय मामलों की सहायक विदेश मंत्री मिशेल जे सिसन शनिवार को चार दिवसीय दौरे पर ढाका आ रही हैं। वह नई दिल्ली से ढाका पहुंचेंगी। राजनयिक सूत्रों अनुसार मिशेल वाशिंगटन के बहुपक्षीय हितों के साथ यूक्रेन की स्थिति , ताइवान और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।

संक्षिप्त खबरें

आईएस ने काबुल विस्फोट की ली जिम्मेदारी

काबुल। कुख्यात आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक रिहायशी इलाके में हुए एक घातक विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। काबुल के पश्चिमी छोर पर सर-ए-करिज में शुक्रवार को हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। राहगीरों को निशाना बनाने के लिए विस्फोटक उपकरण एक हाथ ठेले में रखा गया था। दूसरी तरफ आईएस ने विस्फोट में 20 लोगों के मरने और बहुत से लोगों के घायल होने का दावा किया है। 2014 से अफगानिस्तान में सक्रिय आईएस को देश की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा जाता है।

इसरो के पहले एसएसएलवी मिशन के लिए मंच तैयार

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम एक और मील का पत्थर लगाने जा रहा है, जब रविवार को श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केन्द्र से पहले लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) की पहली उड़ान, जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 2 (ईओएस) और एक सह यात्री उपग्रह आजादी सेट को पृथ्वी के निचले कक्ष में ले जाएगी। इसरो ने शनिवार को कहा कि कल सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से एसएसएलवी डी1 (पहली विकास उड़ान) का प्रक्षेपण 142 किलो ईओएस-02 को लेकर , छह मीटर रिजॉल्यूशन के साथ इन्फ्रारेड कैमरा से युक्त है और माइक्रो उपग्रह की पहली उड़ान होगी।

तमिल फिल्म निर्माताओं पर छापेमारी में 200 करोड़ की अघोषित आय का पता चला

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने हाल ही में तमिलनाडु में कुछ फिल्म निर्माताओं, वितरकों और फाइनेंसरों पर छापेमारी के बाद 200 करोड़ रुपये से अधिक की 'अघोषित' आय का पता लगाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। गत दो अगस्त को चेन्नई, मदुरै, कोयंबटूर और वेल्लूर में फिल्म व्यवसाय से जुड़े इन लोगों के 40 परिसरों पर छापेमारी की गई थी। आयकर विभाग ने छापेमारी में 26 करोड़ रुपये की अघोषित नकदी और तीन करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण जब्त करने का दावा किया है। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि अब तक के तलाशी अभियान में 200 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का पता चला है।

मंदिर के पुजारी की पीट कर निर्मम हत्या

धामपुर/बिजनौर। शेरकोट में नेशनल हाईवे 74 स्थित मनोकामना महादेव मंदिर के पुजारी को डंडे से पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। मंदिर के पुजारी की हत्या की सूचना से जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आसपास के चार थानों की पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। एसपी ने हत्याकांड के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया है। मंदिर परिसर में पुजारी की हत्या की सूचना पर हिंदूवादी संगठन भी मौके पर पहुंच गए तथा उन्होंने रोष जताते हुए हत्याकांड का खुलासा करने की मांग की है।

कार्रवाई के बाद ओप्पो, वीवो, श्याओमी छोड़ सकते हैं भारत : चीनी सरकारी मीडिया

नई दिल्ली (आईएएनएस)। चीनी प्रसंस्करण और विनिर्माण उद्यमों ने मूल रूप से भारत को एक विदेशी उत्पाद-प्रसंस्करण केंद्र बनाने की कोशिश की थी लेकिन अगर देश में काम करना वास्तव में कठिन और लाभहीन है, तो भारत से वापस जाना भी कंपनियों के लिए एक विकल्प है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने यह बात कही है।

भारत सरकार तीन चीनी मोबाइल कंपनियों - ओप्पो, वीवो इंडिया और श्याओमी द्वारा कथित कर चोरी के मामलों की जांच कर रही है। अखबार ने कहा, 'भारतीय पक्ष द्वारा चीनी उद्यमों में बार-बार जांच न केवल उन कंपनियों की सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों को बाधित करती है, बल्कि भारत में कारोबारी माहौल में सुधार को भी बाधित करती है और भारत में निवेश और संचालन के लिए बाजार संस्थाओं, विशेष रूप से चीनी उद्यमों के विश्वास और इच्छा को कम करती है।'

अप्रैल 2020 से, चीनी फर्मों से केंद्र सरकार को प्राप्त 382 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों में से, भारत ने 29 जून को केवल 80 को मंजूरी दी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह चीनी निवेश और भारत में कारोबार करने वाली कंपनियों के सामने तेजी से कठिन कारोबारी माहौल पेश करती है।' कुछ निर्माताओं ने भारत से हटने के बाद वियतनाम जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की ओर अपनी नजरें गड़ा दी हैं।

वार्ता में अड़ंगा न लगाए चीन : अमेरिका

मनीला (एपी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को कहा कि चीन को जलवायु संकट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मामलों पर वार्ता में अड़ंगा नहीं लगाना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के चलते बीजिंग नाराज है तथा वाशिंगटन के साथ उसके संबंधों में और तल्खी आ गई है। ब्लिंकन मनीला में फिलीपीन के नवनिर्वाचित द्वराष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर और अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात करने के बाद अपने फिलीपीनी समकक्ष के साथ एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। गत 30 जून को मार्कोस जूनियर के पद संभालने के बाद ब्लिंकन फिलीपीन की यात्रा करने वाले शीर्ष रैंक के पहले अमेरिकी अधिकारी हैं। पेलोसी की यात्रा के बाद चीन ने बृहस्पतिवार को ताइवान के तटों के आसपास सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया और शुक्रवार को सैन्य मामलों तथा जलवायु सहयोग सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर अमेरिका के साथ संपर्क काट दिया।

ब्लिंकन ने कहा, 'हमें अपने दोनों देशों के बीच मतभेदों के कारण वैश्विक चिंता के मामलों पर सहयोग में अड़ंगा नहीं लगाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अन्य पक्ष हमसे यह उम्मीद कर रहे हैं कि हम उन मुद्दों पर काम करना जारी रखेंगे जो उनके लोगों के साथ-साथ हमारे अपने लोगों के जीवन और आजीविका के लिए

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन मनीला में अपने फिलीपीनी समकक्ष के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे

महत्वपूर्ण हैं।' ब्लिंकन ने जलवायु परिवर्तन पर सहयोग को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उद्धृत किया जिस पर चीन ने संपर्क बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन का कदम 'अमेरिका के खिलाफ नहीं, बल्कि दुनिया के खिलाफ है।' ब्लिंकन ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक अब जलवायु संकट का मुकाबला करने से इनकार कर रहा है।' उन्होंने कहा कि ताइवान के आसपास पानी में चीन की बैलिस्टिक मिसाइलों का गिरना एक खतरनाक कार्रवाई थी। ब्लिंकन के साथ अपनी संक्षिप्त बैठक में, मार्कोस जूनियर ने उल्लेख किया कि वह इस सप्ताह पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद हो रहे घटनाक्रम से हैरान हैं। मार्कोस जूनियर ने मनीला और वाशिंगटन के बीच महत्वपूर्ण संबंधों की प्रशंसा की, जो आपस संधि सहयोगी हैं। ब्लिंकन ने फिलीपीन के साथ 1951 की पारस्परिक रक्षा संधि और 'साझा चुनौतियों पर साथ काम करने' की वाशिंगटन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

चीन का सैन्य अभ्यास हमले की तरह प्रतीत होता है : ताइवान

बीजिंग (भाषा)। ताइवान ने शनिवार को कहा कि चीन का सैन्य अभ्यास स्वशासित द्वीप पर हमले की तरह प्रतीत होता है, क्योंकि चीन के कई युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया कि ताइवान के सशस्त्र बलों को सतर्क किया गया है और द्वीप के आसपास हवाई और नौसैन्य गश्ती दलों को भेजा गया है। साथ ही किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जमीन से मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को तैयार रखा गया है। चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह कहते हुए सैन्य अभ्यास शुरू कर दिए थे कि उनकी यात्रा ने 'एक चीन नीति' का उल्लंघन किया है। गौरतलब है कि ताइवान पर चीन अपना दावा जताता है और उसने धमकी दी है कि जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लेगा। ताइवान की 'सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि सेना ने शुक्रवार रात तटीय किनमेन काउंटी क्षेत्र में चार ड्रोन उड़ते हुए देखे। ताइवान का मानना है कि ये चार ड्रोन चीन के थे और इन्हें किनमेन द्वीप समूह के आसपास समुद्री क्षेत्र में उड़ते हुए देखा गया। इसके जवाब में ताइवान की सेना ने हवा में गोलीबारी की। ताइवान की राष्ट्रपति साई

इंग-वेन ने ट्वीट किया, हमारी सरकार और सेना चीन के सैन्य अभ्यास पर करीबी नजर रख रही है और जरूरत के अनुसार प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लोकतांत्रिक ताइवान का समर्थन करने और क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति में तनाव बढ़ने से रोकने की अपील करती हूं। किनमेन ताइवान के शासन वाला द्वीप समूह है। यह फुजियान प्रांत स्थित चीन के तटीय शहर शियामेन से महज 10 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। चीन का सैन्य अभ्यास बृहस्पतिवार को शुरू हुआ था और इसके रविवार तक चलने की संभावना है।

पेलोसी 'अतरराष्ट्रीय शांति को नष्ट करने वाली' नेता : उ. कोरिया

सियोल (एपी)। उत्तर कोरिया ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी पर उत्तर कोरिया के खिलाफ भावनाओं को भड़काने और 'चीन को नाराज करने' का शनिवार को आरोप लगाते हुए उन्हें 'अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को नष्ट करने वाली' नेता करार दिया।

पेलोसी ने ताइवान का दौरा करने के बाद दक्षिण कोरिया की यात्रा की। अमेरिकी नेता के ताइवान के दौरे से नाराज चीन ने 'अभूतपूर्व पैमाने' पर सैन्य अभ्यास किए। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और विदेशी सरकारों के साथ उसके संबंधों का विरोध करता है। दक्षिण कोरिया के दौरे में पेलोसी ने उत्तर कोरिया के निकट एक सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा किया और दक्षिण कोरिया नेशनल असेंबली के अध्यक्ष किम जिन प्यो के साथ उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा की।

रिहाई के आदेश में अकारण हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बरी किए जाने के आदेश में अकारण हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। न्यायालय ने इसके साथ ही पत्नी के साथ क्रूरता के एक मामले में पति को दोषमुक्त किए जाने के आदेश को बहाल रखा।

शीर्ष अदालत ने कहा है कि अपीलीय अदालत को इस तरह के आदेश को रद्द करने से पहले, बरी करने संबंधी सभी तर्कों पर विचार करना चाहिए। न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति एसआर भट की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के मार्च 2019 के फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत कथित अपराध के लिए व्यक्ति को दोषी ठहराने के आदेश को बहाल कर दिया था। पीठ ने कहा, अपील के फैसले

शीर्ष अदालत ने पत्नी के साथ क्रूरता के एक मामले में पति को दोषमुक्त किए जाने के आदेश को बहाल रखा

में कोई कारण नहीं बताया गया है कि आईपीसी की धारा 498ए के तहत दर्ज बरी करने के आदेश को रद्द करने की आवश्यकता क्यों थी। शीर्ष अदालत ने कहा, यह एक स्थापित कानून है कि बरी किए जाने के आदेश में अकारण हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए और बरी करने से पहले अपीलीय अदालत को हर उस कारण पर विचार करना चाहिए, जिसे बरी करने के लिए दर्ज किया गया था।

'काली' के निर्माताओं के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 29 को

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की एक अदालत फिल्म 'काली' के पोस्टर और प्रोमो वीडियो में एक हिंदू देवी को कथित तौर पर आपत्तिजनक तरीके से चित्रित करने के लिए फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलाई के खिलाफ स्थायी रोक के आग्रह वाली याचिका पर 29 अगस्त को सुनवाई करेगी। शनिवार को मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया ।

शनिवार को याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता राज गौरव ने भी अतिरिक्त दस्तावेज रिकार्ड में लेने के लिए एक आवेदन दाखिल किया। याचिका में कहा गया है, 'वादी अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहता है जो ऐसे ट्वीट हैं जो सीधे उसके मामले से संबंधित हैं और जो मामले की योग्यता को प्रभावित कर सकते हैं।'

यूपी : हाईकोर्ट में सरकारी वकीलों की नियुक्ति पर रोक

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश के हाईकोर्ट में तैनाती पाये सरकारी वकीलों की नियुक्ति पर फिलहाल रोक लगा दी गयी है। हाईकोर्ट प्रयागराज व लखनऊ पीठ में सरकारी पक्ष की पैरोकारी करने को 1 अगस्त को तैनाती की लिस्ट जारी की गयी थी, लेकिन शनिवार को एक आदेश के बाद सभी तैनाती फिर रोक दी गई है। विभाग से इस बारे में आदेश जारी किया गया है, इसमें कहा गया है कि उच्च न्यायलय इलाहाबाद एवं खण्डपीठ लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य की ओर से प्रभावी पैरवी के लिए राज्य विधि अधिकारियों की आबद्धता की सूची अलग-अलग रिट के परिप्रेक्ष्य में जारी की गयी थी। एक अगस्त को जारी की गयी सूची में कतिपय लिपिकीय त्रुटियां व अशुद्धियां मिली हैं। इसके सम्बन्ध में संशोधन पत्र शीघ्र ही निर्गत किया जाएगा। मालूम हो कि राज्य सरकार के पक्ष की प्रभावी पैरवी के लिए करीब 800 शासकीय अधिवक्ताओं की तैनाती पूर्व में चली आ रही थी।

बसपा सांसद अतुल राय को अदालत ने किया बरी

वाराणसी (भाषा)। उत्तर प्रदेश के घोसी से बसपा सांसद अतुल राय को वाराणसी की एमपी एमएलए अदालत ने शनिवार को बाइज्जत बरी कर दिया है। राय के खिलाफ दुष्कर्म, फर्जीवाड़ा, धमकी देने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज था, और वह फिलहाल नैनी जेल में हैं। सांसद के अधिवक्ता अनुज यादव ने बताया कि विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए सियाराम चौरसिया ने राय को उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों से बरी कर दिया है। अदालत ने पीड़िता के बयान को विश्वसनीय नहीं माना और उसकी ओर से साक्ष्य नहीं दिया जा सका और घटना साबित नहीं हो सकी।

विस्तारा ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए ड्रीमलाइनर विमान किराए पर लिया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय विमानन कंपनी विस्तारा ने शनिवार को कहा कि उसने एक बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान को किराये पर लिया है, जिससे उसे फ्रैंकफर्ट और पेरिस तक अपनी उड़ानों की संख्या बढाने में मदद मिलेगी। यह पहला ड्रीमलाइनर विमान है, जिसे विस्तारा ने किराये पर लिया है। कंपनी के पास पहले से ही दो ड्रीमलाइनर विमान हैं, जो उसने बोइंग से खरीदे थे। विस्तारा को विमान किराये पर लेना पड़ा है, क्योंकि बोइंग ने दो साल से उसे चार और ड्रीमलाइनर विमान नहीं दिए हैं, जो कि उसे देने थे। अमेरिका का संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) चाहता है कि बोइंग विमानों की आपूर्ति करने से पहले ड्रीमलाइनर की गुणवत्ता में सुधार करे। विस्तारा ने 2018 में छह ड्रीमलाइनर विमानों का ऑर्डर दिया था

ट्विटर ने माना, सॉफ्टवेयर खामी से कई उपयोगकर्ताओं का ब्योरा लीक हुआ

न्यूयॉर्क (एपी)। माइक्रो ब्लॉगिंग मंच ट्विटर ने यह स्वीकार किया है कि पिछले साल कई उपयोगकर्ताओं के खातों की निजता उस समय जोखिम में पड़ गई थी, जब उसके सॉफ्टवेयर में मौजूद खामी का दुर्भावना से भरे किसी शख्स ने फायदा उठाया था।

हालांकि ट्विटर ने उस रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की है कि इस तकनीकी खामी की वजह से दुनिया भर के करीब 54 लाख उपयोगकर्ताओं से जुड़े आंकड़े की ऑनलाइन बिक्री के लिए पेशकश की गई है। लेकिन उसने यह माना है कि इस सेंधमारी में उसके उपयोगकर्ता प्रभावित हुए थे।

विचारों के आदान-प्रदान के एक मंच के रूप में ट्विटर का इस्तेमाल करने वाले लोगों से जुड़े ब्योरे का इस तरह खतरे में पड़ना बेहद चिंताजनक है। इसकी वजह यह है कि तमाम ट्विटर खाताधारक सुरक्षा कारणों से अपनी पहचान का खुलासा नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें दमनकारी अधिकारियों के उत्पीड़न का डर होता है। अमेरिकी नेवल एकेडमी के डेटा सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ कोसेफ ने इस पर अपने ट्वीट में कहा, छद्म नाम वाले ट्विटर अकाउंट का इस्तेमाल करने वाले कई लोगों के लिए यह स्थिति बहुत बुरी है।

ट्विटर ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि उसके सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी से किसी व्यक्ति को लॉगइन

हालांकि उसने इसकी पुष्टि नहीं की कि इसके कारण करीब 54 लाख उपयोगकर्ताओं से जुड़े आंकड़े की ऑनलाइन बिक्री के लिए पेशकश की गई

करते समय यह तय करने की मंजूरी मिल गई कि कोई खास फोन नंबर या ईमेल किस मौजूदा ट्विटर खाते से जुड़ा हुआ है। ऐसा होने से खाताधारकों का खुलासा आसानी से हो सकता है। हालांकि ट्विटर ने इस घटना से प्रभावित हुए खाताधारकों की संख्या के बारे में जानकारी न होने का दावा करते हुए कहा कि कोई भी पासवर्ड जाहिर नहीं हो पाया था। ट्विटर के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए कहा, हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि इसका वैश्विक असर पड़ा था। लेकिन हम इसमें प्रभावित हुए लोगों की सटीक संख्या या उनके स्थान के बारे में स्पष्ट तौर पर नहीं बता सकते हैं। डिजिटल गोपनीयता की वकालत करने वाले समूह रिस्टोर प्राइवेसी ने पिछले महीने जारी एक रिपोर्ट में कहा था कि इस सॉफ्टवेयर गड़बड़ी से जुटाए गए ब्योरे को एक लोकप्रिय हैकिंग मंच पर 30,000 डॉलर में बेचा जा रहा है। गत जनवरी में ट्विटर के सॉफ्टवेयर में मौजूद इस खामी की तरफ इशारा एक सुरक्षा शोधकर्ता ने किया था। इसके लिए उसे 5,000 डॉलर का इनाम भी दिया गया था। बाद में ट्विटर ने कहा कि जून 2021 के सॉफ्टवेयर अपडेट के दौरान आई इस खामी को फौरन ठीक कर दिया गया।

भारत में कानून का पालन करे ट्विटर : मस्क

नई दिल्ली (आईएएनएस)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने दावा किया है कि ट्विटर भारत के कानून का पालन नहीं करता है और इसने इसके सबसे बड़े बाजारों में से एक को खतरे में डाल दिया है। शुक्रवार की देर रात अमेरिका में डेलावेयर कोर्ट में दायर माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के खिलाफ एक काउंटर सूट में, मस्क ने कहा कि 44 अरब डॉलर के ट्विटर अधिग्रहण सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए उनके साथ 'धोखा' हुआ है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टर केट कांगर ने ट्वीट किया, जुलाई में, ट्विटर ने कंटेंट को हटाने और दर्जनों खातों को ब्लॉक करने के मामले में चुनौती देने के लिए भारत सरकार पर मुकदमा दायर किया।

हिरोशिमा : परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध का आह्वान

परमाणु हमले की 77वीं बरसी

टोक्यो (एपी)। जापान के हिरोशिमा में शनिवार को 77 साल पहले हुए परमाणु हमले की भयावह घटना को याद करते हुए परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध का आह्वान किया गया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख समेत अन्य अधिकारियों ने परमाणु हथियारों के निर्माण को लेकर चेताया, क्योंकि यूक्रेन पर रूसी सैन्य कार्रवाई के बीच परमाणु हमले की आशंका बढ़ गई है। 'हिरोशिमा पीस पार्क' में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा, "परमाणु हथियार बकवास हैं। वे किसी सुरक्षा की गारंटी नहीं देते, बल्कि केवल मौत और विनाश के दाता हैं।" उन्होंने कहा कि एक सदी के तीन चौथाई समय बीतने के बाद पूछा जाना चाहिए कि 1945 में इस शहर पर हुए परमाणु हमले से क्या सीख ली गई? इस मौके पर हिरोशिमा के मेयर कजूमी मत्सुई ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर 'उनके अपने लोगों को युद्ध का हथियार बनाने और दूसरे देश के लोगों की जान लेने और आजीविका छीनने' का आरोप लगाया। अमेरिका ने छह अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर दुनिया का पहला परमाणु बम गिराया था।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
आस्ट्रेलिया	57	46	48	151
इंग्लैंड	50	48	44	142
कनाडा	20	29	32	81
न्यूजीलैंड	17	11	14	42
भारत	**12**	**11**	**14**	**37**
नाईजीरिया	9	6	11	26
स्कॉटलैंड	8	9	22	39
दक्षिण अफ्रीका	7	7	11	25
मलयेशिया	6	5	4	15
वेल्स	5	5	13	23

संक्षिप्त खबरें

भारत पुरुष हॉकी के फाइनल में, पदक पक्का

बर्मिंघम। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष हॉकी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शनिवार की देर रात खेले गये सेमीफाइनल मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से पराजित किया। भारत का यह इन खेलों में तीसरी बार फाइनल में प्रवेश है। इससे पहले भारत 2010 और 2014 के खेलों के फाइनल में पहुंचा था। फाइनल में अगर भारत जीतता है तो उसे स्वर्ण पदक मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के लिए अभिषेक, मनदीप सिंह और जुगराज सिंह ने एक-एक गोल किया। द. अफ्रीका ने भी भारत का जमकर सामना किया।

पीवी सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षि का अभियान खत्म

बर्मिंघम। दो बार की ओलंपिक चैंपियन पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेलों के महिला एकल बैडमिंटन स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में मलयेशिया की गोह वेई जिन को हराकर शनिवार को सेमीफाइनल में जगह पक्की की। सिंधु ने गोह पर 19-21, 21-14, 21-18 से जीत दर्ज की। युवा खिलाड़ी आकर्षि कश्यप का राष्ट्रमंडल खेलों का अभियान हालांकि खत्म हो गया। अंतिम आठ मुकाबले में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिल्मोर ने भारतीय खिलाड़ी को आसानी से 21-10, 21-7 से पराजित किया।

स्क्वैश में दीपिका व सौरव की जोड़ी अंतिम चार में

बर्मिंघम। दीपिका पल्लीकल और सौरव घोषाल की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को शनिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वैश स्पर्धा के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के जोएल किंग और पॉल कोल की जोड़ी से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को किंग और कोल की जोड़ी से 7-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। दीपिका और सौरव की जोड़ी कांस्य पदक के लिए खेलेंगी। वेलवन सेंथिलकुमार और अभय सिंह की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी का अभियान मलेशिया के एनजी इयान यो और यूएन ची वर्न की जोड़ी से हार कर खत्म हो गया। भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में 8-11 8-11 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रीमियर बैडमिंटन का छठा सत्र 17 दिसम्बर से

नई दिल्ली। प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के छठे सत्र का आयोजन 17 दिसम्बर से 14 जनवरी तक होगा। कोविड-19 महामारी के कारण लीग दो साल के ब्रेक के बाद वापसी करेगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष हिमंता बिस्वा सरमा ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हम पीबीएल की वापसी से रोमांचित हैं। यह भारतीय बैडमिंटन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसने देश में खेल के विकास में योगदान दिया है।'

रवि दहिया, नवीन व विनेश ने कुश्ती में जीते स्वर्ण पदक

बर्मिंघम (वार्ता)। रवि दहिया, नवीन और विनेश फोगाट ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कुश्ती में भारत के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए शनिवार को देश की पदक तालिका में तीन स्वर्ण जोड़े। दूसरी ओर, पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया।

टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट रवि ने 57 किग्रा फाइनल में नाइजीरिया के वेल्सन एबीकेवेनिमो को तकनीकी श्रेष्ठता से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार के पदक विजेता वेल्सन ने मुकाबले की शुरुआत में रवि को पॉइंट स्कोर करने का कोई मौका नहीं

पूजा को कांस्य पदक

दिया, लेकिन रवि ने अंततः उनके पैरों को जकड़कर अंकों की झड़ी लगा दी और अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण हासिल किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2014 और 2018 की गोल्ड मेडलिस्ट विनेश फोगाट ने महिला 53 किग्रा फाइनल में श्रीलंका की चमोदया केशानी को चित्त (विन बाई फॉल) करके स्वर्ण पदक जीता। विनेश ने चमोदया को एकतरफा मुकाबले में पहले टेकडाउन करके चार पॉइंट बनाये, और फिर दोनों कंधे जमीन से मिलाकर

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण की हैट्रिक पूरी की। नवीन ने भारत को कुश्ती में दिन का तीसरा और कुल छठा स्वर्ण दिलाते हुए पाकिस्तान के मोहम्मद शरीफ ताहिर को 9-0 से मात दी। इस जीत के साथ भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 12 स्वर्ण पूरे कर लिये। पहलवान पूजा गहलोत ने 50 किग्रा के कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन करके दो अंक हासिल कर लिए थे, लेकिन पूजा ने उन्हें गटरेंच करके पहले 10 पॉइंट लिये।

शरत ने टेबल टेनिस में भारत के दो और पदक पक्के किये

बर्मिंघम (भाषा)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को पुरुष और मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाकर दो और पदक पक्के कर लिये। शरत और जी साथियान ने आस्ट्रेलिया के निकोलस लुम और एम जी को 11-9, 11-8, 9-11, 12-14, 11-7 से हराया। अब उनका सामना फाइनल में इंग्लैंड के पॉल ड्रिकहाल और लियाम पिचफोर्ड से होगा।

शरत और श्रीजा अकुला ने मिश्रित युगल में निकोलस लुम और लू फिन को 11-9, 11-8, 9-11, 12-14, 11-7 से मात दी। महिला एकल में श्रीजा सिंगापुर की तियांवेइ फेंग से 6-11, 11-8, 11-6, 9-11, 8-11, 11-8, 10-12 से हार गई।

इससे पहले पुरुष एकल में शरत ने सिंगापुर के योंग इजाक क्वेक को 11-6, 11-7, 11-4, 11-7 से हराया। वहीं साथियान ने इंग्लैंड के सैम वॉकर को 11-5, 11-7, 11-5, 8-11, 10-12, 11-9 से मात दी। साथियान ने कहा, 'यह शानदार मैच था। पूरा श्रेय सैम को जाता है जो शानदार

जीत के बाद शरत कमल और श्रीजा।

खेला। मैंने उसे पहले कभी नहीं हराया है और मेरे दिमाग में यह बात थी। मैंने अपना संयम बनाये रखा और जीतकर खुश हूं।' सानिल शेट्टी हालांकि एक गेम से बढत बनाने के बाद स्थानीय खिलाड़ी लियाम पिचफोर्ड से 11-9, 6-11, 8-11, 8-11, 4-11 से हार गए। महिला युगल में श्रीजा अकुला और रीथ टेनिसन और मनिका बत्रा तथा दिया चितले अंतिम 16 के मैच जीत गई।

प्रियंका और अविनाश को एथलेटिक्स में रजत

बर्मिंघम (भाषा)। अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेस में रजत पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में लंबी दूरी की स्पर्धा का पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए जबकि प्रियंका गोस्वामी पैदल चाल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

साबले ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा का रजत पदक जीता जबकि प्रियंका गोस्वामी ने 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। साबले से पहले कविता राउत ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 10000 मीटर पैदल चाल में कांस्य पदक जीता था।

एथलेटिक्स में भारत के लिए शनिवार का दिन अच्छा रहा। गोस्वामी ने पैदल चाल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनकर नया इतिहास रचा। साबले ने 8 :11 . 20 सेकंड का समय निकालकर 8 : 12 . 48 का अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह केन्या के अब्राहम किबिवोट से महज 0.5 सेकंड से पीछे रह गए। केन्या के एमोस सेरेम ने कांस्य पदक जीता। किबिवोट यूजीन में पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर और साबले 11वें स्थान पर रहे थे। एथलेटिक्स में आने से पहले सेना की नौकरी में सियाचिन में तैनात रह चुके साबले डायमंड लीग में पांचवें स्थान पर रहे थे। साबले ने

कहा, 'मेरी आखिरी लैप निराशाजनक थी लेकिन मैं खुश हूं कि लंबे समय बाद भारत ने लंबी दूरी में पदक जीता।' गोस्वामी ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 43:38.83 सेकेंड के साथ ऑस्ट्रेलिया की जेमिमा मोंटाग (42:34.30) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। केन्या की एमिली वामुस्यी नगी (43:50.86) ने कांस्य पदक जीता। गोस्वामी ने जीत के बाद कहा, 'यह किसी भारतीय महिला का इस वर्ग में पहला राष्ट्रमंडल पदक है। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने इतिहास रचा।

पंघाल, नीतू के बाद निखत भी फाइनल में

बर्मिंघम (वार्ता)। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी।

विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी।

पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक जीता था। उनका फाइनल में वेल्स के

बर्मिंघम : जाम्बिया के चिनयेंबा पर घूंसा जड़ते भारत के अमित पंघाल (दाएं)।

कियारन मैक्डोनाल्ड से रविवार को मुकाबला होगा।

दूसरी ओर, नीतू ने महिला 48 किग्रा सेमीफाइनल में कनाडा की प्रियंका ढिल्लन को मात दी। इस जीत के साथ उन्होंने अपने लिये रजत पदक पक्का कर लिया है।

भारत ने विंडीज से सीरीज जीती

चौथे टी-20 में भारत 59 रन से विजयी

लॉडरहिल (वार्ता)। भारत ने अपने सभी बल्लेबाजों और गेंदबाजों के महत्वपूर्ण योगदान से वेस्ट इंडीज के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में शनिवार को 59 रन से जीत दर्ज करते हुए 3-1 की बढ़त के साथ सीरीज अपने नाम कर ली है। भारत ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन का मजबूत स्कोर बनाये। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 19.1 ओवर में 132 रन बनाकर आउट हो गयी।

गेंदबाजी में अर्शदीप ने तीन विकेट लिये। इससे पहले ब्भारत ने टॉस हारने के बाद तेज शुरुआत करते हुए 4.4 ओवर में ही 53 रन ठोक डाले। कप्तान रोहित शर्मा ने मात्र 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन कीआतिशी पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने एक चौके और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाये। दीपक हुड्डा ने 21 और ऋषभ पंत ने 31 गेंदों में छह चौकों के सहारे 44 रन, संजू सैमसन ने 23 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाये।

स्कोर बोर्ड

भारत :

रोहित शर्मा बो हुसैन	33
सूर्यकुमार यादव पगबाधा जोसेफ	24
दीपक हुड्डा का किंग बो जोसेफ	21
ऋषभ पंत का ड्रेक्स बो मैकॉय	44
संजू सैमसन नाबाद	30
दिनेश कार्तिक बो मैकॉय	06
अक्षर पटेल नाबाद	20
अतिरिक्त :	13
कुल : (20 ओवर में पांच विकेट पर) :	191

गेंदबाजी : हुसैन 4-0-28-1, ड्रेक्स 4-0-31-0, मैकॉय 4-0-66-2, जोसेफ 4-0-29-2, होल्डर 4-0-33-0

वेस्टइंडीज :

ब्रेंडन किंग का एंड बो आवेश	13
काइल मेयर्स का हुड्डा बो अक्षर	14
डेन थॉमस का हुड्डा बो आवेश	01
निकोलस पूरन रनआउट	24
रोवमैन पॉवेल का हुड्डा बो अक्षर	24
शिमरोन हेटमाएर बो बिश्नोई	19
जैसन होल्डर का सैमसन बो अर्शदीप	13
हकील हुसैन का सूर्यकुमार बो बिश्नोइ	03
डोमिनिक ड्रेक्स बो अर्शदीप	05
अल्जारी जोसेफ नाबाद	06
आबेद मैकॉय बो अर्शदीप	02
अतिरिक्त :	08
कुल : (19.1 ओवर में सभी आउट) :	132

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 3-0-21-0, आवेश 4-0-17-2, अक्षर पटेल 4-0-48-2, अर्शदीप 3.1-0-12-3, रवि बिश्नोई 4-0-27-2, हुड्डा 1-0-4-0

पुरुष फोर्स लॉन बॉल्स में भारत को मिला रजत पदक

बर्मिंघम (वार्ता)। भारतीय पुरुष 'फोर्स' लॉन बॉल्स टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया।

नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नजर आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था।

भारतीय टीम में सुनील बहादुर, नवनीत सिंह, चंदन कुमार सिंह और दिनेश कुमार शामिल थे। एक दिन पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 13-12 से जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम का प्रदर्शन फाइनल में कमजोर रहा। भारतीय टीम शुरू से लेकर आखिरी तक पिछड़ी रही। किसी भी एंड में ऐसा नहीं रहा जब भारत ने कोई खास प्रदर्शन किया है। यह मुकाबला सेमीफाइनल के ठीक उलटा साबित हुआ।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत फाइनल में पहुंचा

बर्मिंघम (वार्ता)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश कर अपना पदक पक्का कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगो (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट

महिला क्रिकेट

■ स्मृति मंधाना ने जमाया सबसे तेज अर्धशतक, भारत का पदक पक्का

पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं। अर्धशतक केवल 29 गेंदों पर आया, जो सबसे तेज पचासा है।

बर्मिंघम : स्ट्रोक लगातीं स्मृति मंधाना।

स्कोर बोर्ड

भारत :

स्मृति मंधाना का वोंग बो स्किवर	61
शेफाली वर्मा का ब्रंट बो केंप	15
जेमिमा रोड्रिग्स नाबाद	44
हरमनप्रीत कौर का बाउचियर बो कंप	20
दीप्ति शर्मा का एवं बो ब्रंट	22
पूजा वस्त्राकर रन आउट	00
स्नेह राणा नाबाद	00
अतिरिक्त :	02
कुल : (20 ओवर में पांच विकेट पर)	164

विकेट पतन : 1/76, 2/77, 3/106, 4/159, 5/160

गेंदबाजी : कैथरीन ब्रंट 4-0-30-1, एलिस कैप्से 1-0-11-0, इस्सी वोंग 2-0-19-0, नैट स्किवर 3-0-26-1, सोफी एक्लेस्टोन 3-0-27-0, सारा ग्लेन 4-0-28-0, फ्रेया केंप 3-0-22-2

इंग्लैंड :

सोफिया डंकली पगबाधा बो दीप्ति	19
डेनियल वेट बो स्नेह	35
एलीस कैप्सी रनआउट	13
नताली शीवर रनआउट	40
एमी जोन्स रनआउट	31
माया बौंशियर नाबाद	04
कैथरीन ब्रंट का हरमनप्रीत बो स्नेह	00
सोफिया एक्लेस्टन नाबाद	07
अतिरिक्त :	10
कुल : (20 ओवर में छह विकेट पर)	160

विकेट पतन : 128, 2/63, 3/81, 4/135, 5/150, 6/152

गेंदबाजी : रेणुका सिंह 3-0-31-0, मेघना सिंह 2-0-22-0, दीप्ति शर्मा 4-0-18-1, स्नेह राणा 4-0-28-2, पूजा वस्त्रकार 3-0-20-0, शेफाली वर्मा 2-0-23-0, राधा यादव 2-0-12-0

वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स में सेल्वा थिरुमारन को रजत पदक

कैली (कोलंबिया) (भाषा)। भारतीय त्रिकूद खिलाड़ी सेल्वा पी थिरुमारन ने यहां विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। भारत के 17 वर्षीय खिलाड़ी ने 16.15 मीटर की कूद लगाई और वह एस्तोनिया के विक्टर मोरोजोव से दो सेंटीमीटर आगे रहे। स्वर्ण पदक जमैका के जेडॉन हिबर्ट

को मिला जिन्होंने अपने 17.27 मीटर प्रयास से चैंपियनशिप का नया रिकॉर्ड बनाया। थिरुमारन ने अपने दूसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रजत पदक हासिल किया।

इस बीच भारतीय महिला रिले टीम ने चार गुना 400 मीटर के फाइनल में जगह बनाई। सुमी, प्रिया हब्बाथनहल्ली मोहन, रजिता कुंजा और रूपल की चौकड़ी ने तीन मिनट 34.18 सेकंड का समय लिया और वह कुल चौथे स्थान पर रही। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने 2016 में पोलैंड में यह कारनामा किया था। इस प्रतियोगिता को पहले विश्व जूनियर चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था।

भारतीय महिला टीम की सेमीफाइनल हार के दौरान घड़ी से जुड़े विवाद पर एफआईएच ने माफी मांगी

बर्मिंघम (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के दौरान घड़ी से जुड़े विवाद पर माफी मांगी और कहा कि वह इस घटना की पूरी समीक्षा करेगा।

पेनल्टी शूटआउट के दौरान अपना पहला प्रयास चूकने वाली ऑस्ट्रेलिया की रोजी मेलोन को एक और मौका दिया गया क्योंकि स्कोरबोर्ड पर आठ सेकंड की उलटी गिनती शुरू नहीं हुई थी। मेलोन दूसरा मौका मिलने पर नहीं चुकी और उन्होंने अपनी टीम को बढत दिला दी।

भारत ने सेमीफाइनल का मुकाबला आखिर में शूटआउट में 0-3 से गंवाया। दोनों टीमें नियमित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। दर्शकों ने भी तकनीकी अधिकारियों के फैसले पर रोष जताया था।

एफआईएच ने बयान में कहा, 'बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऑस्ट्रेलिया और भारत की महिला टीमों के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के दौरान शूटआउट गलती से बहुत जल्दी शुरू हो गया था (तब घड़ी संचालित होने के लिए तैयार नहीं थी) जिसके लिए हम माफी मांगते हैं।' बयान में आगे कहा गया है, 'इस तरह की परिस्थिति में दोबारा पेनल्टी शूटआउट लेने की प्रक्रिया है और ऐसा किया भी गया। एफआईएच इस घटना की पूरी जांच करेगा ताकि भविष्य में इस तरह के मसलों से बचा जा सके।'

घड़ी की गलती के कारण गंवा दी थी लय : कोच

बर्मिंघम (भाषा)। राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम की ऑस्ट्रेलिया के हाथों से सेमीफाइनल में विवादास्पद हार के बाद राष्ट्रीय टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा कि घड़ी की गलती के कारण उनकी खिलाड़ियों ने लय खो दी और इससे वे काफी निराश और गुस्से में थी।

ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी शूटआउट में भारत को विवादास्पद तरीके से 3-0 से हराया। वह स्वर्ण पदक के मुकाबले में इंग्लैंड से भिड़ेगा। पेनल्टी शूटआउट के दौरान अपना पहला प्रयास चूकने वाली ऑस्ट्रेलिया की रोजी मेलोन को एक और मौका दिया गया क्योंकि स्कोर बोर्ड पर आठ सेकंड की उलटी गिनती शुरू नहीं हुई थी। मेलोन दूसरा मौका मिलने पर नहीं चुकी और उन्होंने अपनी टीम को बढत दिला दी। इंग्लैंड के तकनीकी अधिकारी बी मोर्गन के इस फैसले से भारतीय प्रशंसक गुस्से में थे। प्रत्येक खिलाड़ी को शूटआउट में गेंद को जाली में डालने के लिए आठ सेकंड का समय मिलता है। मेलोन को दोबारा मौका मिलने के बाद भारतीय टीम लय गंवा बैठी और अपने पहले तीन प्रयास में गोल करने में नाकाम रही। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया ने अपने सभी मौकों को भुनाया। शोपमैन ने मैच के बाद कहा, 'इससे हमने थोड़ी लय गंवा दी। इस फैसले से हर कोई निराश था।' उन्होंने कहा, 'मैं इसे बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं कर रही हूं लेकिन जब आप शूटआउट में बचाव करते हैं तो इससे आपका मनोबल बढता है।'

फीफा ने भारत पर प्रतिबंध लगाने और महिला विश्व कप की मेजबानी छीनने की धमकी दी

नई दिल्ली (भाषा)। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने तीसरे पक्ष के प्रभाव के कारण अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर प्रतिबंध लगाने और अक्टूबर में होने वाले महिला अंडर-17 विश्वकप की मेजबानी छीनने की धमकी दी है। ऐसा उसने उच्चतम न्यायालय के राष्ट्रीय महासंघ के चुनाव करवाने के निर्देश देने के कुछ दिन बाद किया है। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति को प्रशासकों की समिति के द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने का निर्देश दिया था। प्रशासकों की समिति अभी राष्ट्रीय महासंघ का संचालन कर रही है। भारत को 11 अक्टूबर से फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी करनी है।

■ उच्चतम न्यायालय के चुनाव कराने के निर्देश देने के कुछ दिन बाद ही यह धमकी मिली

चुनाव 28 अगस्त को करवाए जाएंगे और चुनाव प्रक्रिया 13 अगस्त से शुरू हो जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम को स्वीकार कर लिया है। फीफा ने एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर को भेजे गए पत्र में कहा, 'हम एआईएफएफ से अनुरोध करते हैं कि वह हमें उच्चतम न्यायालय के तीन अगस्त 2022 के फैसले की आधिकारिक प्रतिलिपि नौ अगस्त 2022 को भारतीय समयानुसार शाम पांच बजे तक उपलब्ध कराए।' पत्र में आगे कहा गया है, 'उपरोक्त दस्तावेज के प्राप्त होने और उसके गहन विश्लेषण करने के बाद हम फीफा के कानूनों के अनुसार आगे के संभावित फैसलों के लिए इसे अपने निर्णय लेने वाले निकाय को भेजेंगे। संभावित फैसलों में एआईएफएफ का निलंबन और भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी के अधिकारों को वापस लेना भी शामिल है।'

सपा ने लगाया सदस्यता अभियान शिविर, दिग्गज भी रहे मौजूद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सदर विधानसभा के वहादीपुर गांव में जिलाध्यक्ष रामधारी यादव की अध्यक्षता और कमला यादव के संयोजकत्व में समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान शिविर लगाया गया। इस शिविर में स्थानीय ग्रामवासियों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई गई । इस अवसर पर दिनांक 9अगस्त से 15अगस्त तक चलने वाले तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए स्थानीय लोगों के बीच तिरंगा झंडा भी वितरित किया गया और उन्हें उक्त दिवस को सरजू पांडे पार्क से आरंभ हो रही देश - बचाओ देश-बनाओ पदयात्रा में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने स्थानीय ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश की समस्याओं का समाधान और मुल्क की बेहतरी समाजवादी रीतियों नीतियों और समाजवादी व्यवस्था से ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार झूठ की नींव पर टिकी है । यह सरकार लगातार झूठ की फसल उगाने और काटने का काम कर रही है। भाजपा का राष्ट्रवाद झूठा है । देश की आजादी की लड़ाई समाजवादी विचारधारा के लोगों ने ही लड़ी है भाजपा के लोगों का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा है। डॉ लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण और अरूणा आसफ अली जैसे नेताओं समाजवादी नेताओं ने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि आरएसएस हमेशा तिरंगे का विरोधी रहा है। उनके कार्यालय पर आजादी के पांच दशकों बाद तिरंगा फहराया गया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के आह्वान के बावजूद आज भी आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत जी के डीपी पर तिरंगा नहीं लगा है। भाजपा के लोग राष्ट्रभक्त होने का पाखंड रच रहे हैं। सदर विधायक जै किशन साहू ने कहा भाजपा सरकार का जनता के बुनियादी सवालों से कुछ भी लेना देना नहीं है। मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चलते पूरा देश कराह रहा है। जनता खून के आंसू रो रही है लेकिन भाजपा सरकार इन समस्याओं की तरफ ध्यान न देकर जनता का भावनात्मक शोषण कर रही हैं। सदस्यता अभियान के जिला प्रभारी राजेश कुशवाहा ने समाजवादी पार्टी से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि इस देश के किसानों,गरीबो, पिछड़ों और मुसलमानो का हित समाजवादी पार्टी में ही निहित है। समाजवादी पार्टी ही आपकी लड़ाई लड़ने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी जाति और धर्म के लोगों की पार्टी है। समाजवादी पार्टी किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती । इस अवसर पर मुख्य रूप से रामवचन यादव, अशोक बिन्द,आत्मा यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, रमेश यादव आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक कमला यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्षेत्र में नहीं होनी चाहिए आपराधिक घटनाएं हिस्ट्रीशीटरो पर रखें नजर- पुलिस अधीक्षक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार को अपराध गोष्ठी की गई। अपराध गोष्ठी के दौरान आगामी त्योहारों को देखते हुए सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया। अपने अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्रों में गस्त को बढ़ाते हुए अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई कार्यवाही करे। सभी थानाध्यक्षों/ थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। सभी को सख्त निर्देश दिया गया कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को कदापि न बक्शा जाए। सभी थाना प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं की कार्यवाही पूर्ण करने के लिए आदेशित किया गया! किसी भी थाना क्षेत्र में कोई भी अपराध घटित ना होने पाए ।अपराधियों के विरुद्ध सख्त एवं कड़ी कार्रवाई की जाए । थाने के हिस्ट्रीशीटरो पर थाने के सिपाही से लेकर थाना प्रभारी तक नजर रखें । सभी थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्र मे पड़ने वाले धार्मिक स्थलों भ्रमण कर वहा की व्यवस्था को देख ले। प्रत्येक थाना प्रभारी थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करे एवं प्राप्त प्रार्थना पत्र का निस्तारण निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करे। सभी आरक्षियों/महिला आरक्षियों को

उनके बीट में भेजे व उनसे क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करें। घटित घटनाओं से सम्बन्धित अपराधियों की गिरफ्तारी में तत्परता दिखाते हुए उनकी गिरफ्तार करें। किसी भी हाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी! अपराध पर हर हाल में अंकुश लगना अनिवार्य है अपराधी हर हाल में सलाखों के पीछे होने चाहिए! अपराध गोष्ठी में एसपी सिटी एसपी ग्रामीण सभी क्षेत्राधिकारी सहित थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रो. बृजेश कुमार जायसवाल बने नवनियुक्त प्राचार्य

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 49 जो कि अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य पद के लिए विज्ञापित था, हरिशचंद्र पीजी कॉलेज, वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर बृजेश कुमार जायसवाल अनंतिम रूप से चयनित चयनित हुए थे। निदेशक उच्च शिक्षा, प्रयागराज ने प्रोफेसर जायसवाल को श्री महंत रामाश्रय दास पीजी कॉलेज, भुडकुंडा, गाजीपुर का प्राचार्य बनाया है। इनके चयन पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ.जायसवाल को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

श्रीमती विभा शर्मा जन सेवा ट्रस्ट ने मनाया कजरी महोत्सव महिलाओं ने जमकर उठाया आनन्द

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्रीमती विभा शर्मा जन सेवा ट्रस्ट अशोकपुरम कॉलोनी मीरापुर बसही के द्वारा कजरी महोत्सव का आयोजन अशोकपुरम कॉलोनी में किया गया जिसमें की कॉलोनी की महिलाएं कजरी गाकर के बड़े उत्साह के साथ कजरी महोत्सव का आनंद लेते हुए बड़े धूमधाम से मनाया` महोत्सव में अपनी प्रतिभा का उपयोग करते हुए इन महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का विशेष योगदान दिया प्रतिभा यादव, अंजू मिश्रा ,माधुरी चौबे ,नीलम विश्वकर्मा ,रजनी श्रीवास्तव , उमा सिंह , पुष्प लता सिंह मनोरमा शर्मा , पुष्पा सहित इन सभी प्रतिभाशाली महिलाओं को संस्था के अध्यक्ष श्यामधर शर्मा ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

आशीर्वाद क्लब ने लगाया वैक्सीन कैम्प

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आशीर्वाद क्लब गोलघर वाराणसी द्वारा 72 वां वैक्सीन कैम्प का आयोजन हुआ जिसमे अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया की वृद्ध अशक्त महिला ,पुरुषों को जो लोग तगं गलियों मे रहने वाले है उनको ध्यान मे रखते हुये लगभग 550 लोगों ने वैक्सीन की प्रथम ,दितीय एवंम बुस्टर डोज लगाई गयी है और आगे भी निरतंर सेवा कार्य चलता रहेगा` वैक्सीन कैम्प मे विशाल गुजराती ,रितु चौबे, गौरव अग्रवाल, शिवागी अग्रवाल सहित इत्यादि लोग सहयोगी रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 12 से 18 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण का चला महा अभियान

प्रखर गोरखपुर। पीपीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। डॉक्टर भगवान प्रसाद ने बताया गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता के लिए मुख्यमंत्री मेले सार्थक सिद्ध हो रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित होने वाले आरोग्य मेलों से अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित कराया जा रहा है। इस महा अभियान में गंगा प्रसाद जायसवाल, अनिल अग्रहरि, बिंद्राशन चौधरी, शेषमणि त्रिपाठी ,पवन वर्मा, दिनेश यादव , लक्ष्मण विश्वकर्मा,राकेश अग्रहरी ,डॉ अमित शुक्ला, डॉ दुर्गेश गुप्ता ,अच्छे लाल यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

कोविड वैक्सीन की तीसरी डोज का श्रीगणेश

प्रखर गोरखपुर। विकासखंड पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरापार में रविवार को कोविड वैक्सीन की तीसरी डोज का शुभारंभ किया गया । भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने इंजेक्शन लगवा कर कार्यक्रम की शुरूआत की । इसके बाद दर्जनों लोगों को वैक्सीन की तीसरी डोज दी गई । कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अधीक्षक डॉ सतीश सिंह ने कहा कि कोविड कि कोविड पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, इसलिए हम सब को सजग रहने की जरूरत है थोड़ी भी लापरवाही खतरे को निमंत्रण दे सकती है। हम सभी को अभिलंब वैक्सीन की तीसरी रोज भी लगवा लेनी चाहिए जिससे हम भी सुरक्षित रहें और दूसरे भी सुरक्षित रह सकें। बीजेपी अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि वैक्सीन की कमी नहीं होने पाएगी । हर नागरिक का वैक्सीन पर पूरा अधिकार है और वह अनिवार्य रूप से अपने रोज लगवाए। अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर एक स्वस्थ भारत का निर्माण करें और अपने देश को मजबूत बनाएं। उक्त अवसर पर डॉ राजन यादव, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ कुणाल श्रीवास्तव, हेमंत पांडे, विनय पांडे, अमरेंद्र राज, मीना देवी, मीरा देवी, संगीता यादव, रवि राज, रागिनी अग्रहरी,स्नेहा सिंह, सुशील कुमार शुक्ल, सरिता प्रजापति, मिथिलेश सिंह,ऊषा सिंह, नीलम सिंह,मनोरमा सिंह, वंदना सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।

उप निरीक्षक रविंद्र सिंह तोमर का हुआ स्थानांतरण थाने में हुई विदाई समारोह

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाने में ज्यादा दिनों से रह रहे उप निरीक्षक रविंद्र सिंह तोमर का स्थानांतरण देवीपाटन मंडल में बहराइच जिले मैं हुआ है इस थाने में लगभग कुल मिलाकर 3 वर्ष रहे हैं। फूल मालाओं के साथ सहजनवा थाने के पुलिसकर्मी लोग मिलकर विदाई किए हैं। जिसमें उप निरीक्षक रविंद्र सिंह यादव, उप निरीक्षक सुशील सिंह, उप निरीक्षक राजकुमार, ओम प्रकाश यादव आदित्य उपाध्याय, सुनील कुमार, विजय कुमार यादव, अमित यादव, रवि शंकर, अंकित दुबे आदि लोग मौजूद रहे हैं।

गंगा नहाने में डूबा अधेड़, तलाश जारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एक तरफ जहाँ पूरे जिले में बारिश न होने से त्राहि त्राहि मची हुई है वही गंगा का जल स्तर बढ़ने की वजह से दुर्घटनायें भी शुरू हो गयी है ऐसा ही वाक्या सैदपुर में महावीर घाट पर हुआ। सैदपुर कोतवाली क्षेत्र के महावीर घाट पर गंगा स्नान करते वक्त नगर के वार्ड आठ निवासी प्रदीप निगम (55) नदी में डूब गए। पुलिस ने गोताखोरों से खोजबीन शुरू कर दी लेकिन शाम तक उनका पता नहीं चल सका था।प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नौ स्थित महावीर घाट पर वह करीब तीन बजे गंगा नदी में स्नान करने गए थे। बाढ़ के कारण गंगा का जलस्तर काफी बढ़ गया है। नहाते समय प्रदीप गहरे पानी में चले गए और डूब गए। उन्हें डूबते हुए देख घाट पर बैठे लोगों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग भी वहां पहुंच गए, लेकिन तब तक प्रदीप डूब गए थे। कस्बा चौकी इंचार्ज पवन कुमार यादव ने बताया कि गोताखोरों के माध्यम से तलाश की जा रही है।

गलती से हुई फायरिंग में यूपी के पूर्व मंत्री मांझी का बेटा घायल, हालत गंभीर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री शंखलाल मांझी का 22 वर्षीय बेटा लखनऊ में अपने घर में गलती से गोली चल जाने के कारण घायल हो गया। घायल आकाश मांझी को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस हादसे को लेकर डीसीपी, ईस्ट प्राची सिंह ने कहा कि आकाश उस समय घायल हो गया, जब वह अपने पिता के नाम जारी रिवॉल्वर की सफाई कर रहा था। डीसीपी ने कहा, घाव कमर से नीचे के हिस्से में है, इसका मतलब कि उसे काफी नजदीक से चोटें आईं। आकाश का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत गंभीर है।

हर घर तिरंगा फहराने का राज्यमंत्री ने किया आह्वान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। खानपुर क्षेत्र के सिधौना स्थित सिधेश्वर महादेव धाम पर आयुष राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा ने गणमान्य लोगों को तिरंगा देकर अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने के लिए आह्वाहन किया। रविवार को अपने गृहग्राम सिधौना पहुचे आयुष एवं खाद्य सुरक्षा, औषधीय प्रसाशन राज्यमंत्री डॉ दयालु मिश्रा ने अपने आयुर्वेदिक बागवानी का निरीक्षण किया और एक औषधीय पौधे का पौधरोपण किया। उपस्थित लोगों को आयुर्वेद और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूक किया। सिधेश्वर महादेव धाम पर क्षेत्रीय गणमान्य एवं प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से आजादी के स्वर्णिमकाल में 75वें अमृत महोत्सव मनाने का आह्वाहन किया। सभी लोगों को राष्ट्रीय ध्वज सौंपते हुए उन्हें अपने अपने घरों सहित अन्य लोगों के घर मकान मड़ई झोपड़ी एवं हवेली अट्टालिका दुकान प्रतिष्ठान पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए प्रेरित करने को कहा। आयुष राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा 13अगस्त को सिधौना बाजार में आयोजित तिरंगा पदयात्रा एवं सिधौना गांव के अमृत महोत्सव कार्यकम में भाग लेंगे। इस अवसर पर डॉ रामजी सिंह बागी, शिवाजी मिश्रा, कृष्णानंद सिंह, उपेंद्र मिश्रा, अनिमेष मिश्रा, अनिल सिंह, श्रवण मिश्रा, विनय सिंह, शिवशंकर सिंह, शर्मा प्रसाद, जिया यादव रहे।

8 अगस्त को प्रात: 9 बजे जीजीआईसी से निकलेगा तिरंगा यात्रा : जिलाधिकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि शासन स्तर से आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के आयोजन को भव्य रूप से मनाये जाने हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये है। इसी क्रम में जिलाधिकरी ने आदेशित किया है कि दिनांक 08 अगस्त को प्रातः 09 बजे से तिरंगा रैली आयोजन किया जायेगा जिसका शुभारम्भ राजकीय बालिका इण्टर कालेज, महुआबाग से विशेश्वरगंज होते हुए सकलेनाबाद, लंका के रास्ते बड़ी बाग चुंगी, सिचाई विभाग चौराहा से सांसद त्रिमुहानी होते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय कलेक्ट्रेट तिराहा, शास्त्री नगर होते हुए डीएम आवास हुए पीरनगर होते हुए विकास भवन चौराहा से नेहरू स्टेडियम, गोराबाजार, जाकर समाप्त किया जायेगा। उन्होने इसकी तैयारी हेतु सम्बन्धित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर घर तिरंगा रैली कार्यक्रम को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करायेगें। जिलाधिकारी ने आमजनमानस से अपील किया है कि इस रैली में प्रतिभाग कर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाये और लोगो को जागरूक करे।

अप्रैल महीने से कोटेदारों को मिलेगा 90 पैसा कमीशन : राजेश तिवारी

प्रखर लखनऊ। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश तिवारी अपने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ विशेष सचिव खाद्य रसद से मिले।और प्रदेश के कोटेदारों का बकाया कमीशन का भुगतान के पत्रक दिया। विशेष सचिव द्वारा आदेश जारी किया गया है। प्रदेश राशन डीलरो का 90 पैसे से अप्रैल महीने से कमीशन जोड दिया जाय। प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश महासचिव अशोक सिंह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी संदीप मिश्रा थे।

प्रभारी मंत्री गोरखपुर मण्डल सुरेश कुमार खन्ना का आगमन आज

प्रखर गोरखपुर। प्राप्त सूचना के अनुसार वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग उ0प्र0/प्रभारी मंत्री गोरखपुर मण्डल सुरेश कुमार खन्ना का 7 अगस्त को 5 बजे जनपद में आगमन होगा तथा 5.30 बजे से जनप्रतिनिधियों के साथ भेंट करने के पश्चात 6.30 बजे से जी0एम0,डीआईसी गोरखपुर के साथ बैठक,जिसमें उद्योग क्षेत्र के लोग भी रहेगे।मा0 मंत्री जी 8 अगस्त को 9 बजे से स्वच्छता के लिए किसी भी बस्ती/मलिन बस्ती का निरीक्षण,10 बजे से गौशाला का निरीक्षण,11 बजे से किसी प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण,12 बजे से जिला चिकित्सालय का निरीक्षण तथा 12.30 बजे से 2 बजे तक जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ एनेक्सी भवन सभागार में बैठक करने के उपरान्त एनेक्सी भवन सभागार में 2 बजे से एक प्रेस वार्ता करने के पश्चात 3.30 बजे से किसी पंचायत भवन में ग्राम चौपाल में जायेगे तथा 4.30 बजे से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेगें।

विद्युत कटौती से आमजनमानस में मचा हाहाकार, जिम्मेदार है मौन

प्रखर केराकत जौनपुर। किसानों के बेहतरी व उनके आय को दुगना करने के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक करोड़ों रुपए विद्युत विभाग पर खर्च किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों के लिए सिंचाई के अनुकूल परिस्थिति बने रहें पर कुछ जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सरकार के इस प्रयास पर पानी फिरता दिख रहा है, क्योंकि किसान किसी तरह धान की रोपाई तो कर लिये पर धान की सिंचाई कैसे की जाय यह किसानों के लिए बड़ी चुनौती है। इस वक्त किसानों के खेतों के लिए काफी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है परंतु शासन द्वारा किसानों को 5-7 घंटे भी बिजली मुहैया नहीं कराई जा रही है। केराकत क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों का यही हाल है। दिशापुर (बजरंगनगर) फीडर, खड़हर डगरा, नई बाजार फीडर, अमिहित, सेनापुर की स्थिति तो और भी दयनीय है। इस फीडरों पर हजारों छोटे बड़े किसान निर्भर है। अकेले बजरंगनगर दिशापुर फीडर से 64 गांव जुड़े है जिससे काफी किसान प्रभावित होते हैं। वहीं ब्रहामनपुर फीडर के 78 ग्राम जिनमे किसानों की काफी संख्या निर्भित है। इन फीडरों नें विद्युत के न आने के सभी रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इन फीडरों से विधुत दिया तो जा रहा है परंतु किसान को पम्प से खेत मे पानी पहुचने के पहले ही विधुत कट जा रही है। इससे खेंतों में भरपूर पानी तो छोड़िए पानी ही पहुच नही पा रहा है। सरकुलर के बावजूद बिजली नियमित रूप से न देने वाले कर्मचारी, अधिकारी या बड़े-बड़े वादे करके जनता को भूलने वाले जनप्रतिनिधि का ध्यान कब किसान की तरफ आयेगी, यह बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

रिपॉस ने एक अनूठे एनर्जी फिनटेक प्लेटफॉर्म को किया लॉन्च

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रिपॉस को भारत में जन-जन तक विभिन्न तरह की ऊर्जा पहुंचाने के मामले में एक अग्रणी कंपनी के तौर पर देखा जाता है कंपनी के 2000 से अधिक साझेदार हैं और कंपनी देश के 220 से भी अधिक शहरों में कार्यरत है. फि नटेक के तहत रिपॉस ने रिपॉस पे को लॉन्च कर दिया है जो एक अनूठा एनर्जी क्रेडिट फि नटेक प्लेटफॉर्म है. इससे ऊर्जा के वितरण के क्षेत्र में एक क्रांति आ जाएगी उल्लेखनीय है इस टेक टूल को मुम्बई में पिछले महीने लॉन्च किया गया था इस विशेष मौके पर केंद्रीय टरटए मंत्री श्री नारायण राणे ने अपनी विशेष मौजूदगी दर्ज कराई`

रिपॉस ने अपने नवीनतम टेक्नोलॉजी टूल DATUM को हाल ही में वाराणसी में लॉन्च किया. इस विशेष अवसर पर वाराणसी कैंट के विधायक सौरभ श्रीवास्तवा ने अपनी विशेष मौजूदगी दर्ज कराई`

इस सिटी लॉन्च के मौके पर ट्रांसपोर्टर, डएट अफसर और बैंकर भी मौजूद थे. गौरतलब है कि रिपॉस आपूर्ति और मांग की खाई को कम करने की दिशा में कार्यरत है और ऊअळवट के माध्यम से डिजल से शुरू करते हुए उपभोक्ताओं के दरवाजे तक ईंधन पहुंचाने के लिए प्रयासरत है`

रिपॉस पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल ऊर्जा की वितरण प्रणाली के निर्माण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है जो वाराणसी में इस लॉन्च से पूरी तरह से स्पष्ट हो जाता है. रिपॉस आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी तरह की ऊर्जा को एंड कंज्यूमर के दरवाजे तक पहुंचाने संबंधी ठोस व्यवस्था कर राष्ट्रीय निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तैयार है`

उल्लेखनीय है कि 2017 में स्थापना के समय से ही रिपॉस ऊर्जा संबंधी ई-कॉमर्स की मदद से कार्बन-मुक्त भविष्य के निर्माण के लिए लगातार प्रयत्नशील रहा है. कंपनी सभी तरह की ऊर्जा - तरल, गैस और बिजली को मोबाइल ऊर्जा वितरण के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाने का इरादा रखती है इसके लिए कंपनी की ओर से क्ष्ह्ळ टेक्नोलॉजी से लैस रिपॉस मोबाइल फ़्यूल पम्प जैसे वाहनों का सहारा लिया जा रहा है आधुनिक ढंग से मोबाइल ऊर्जा वितरण के लिए रिपॉस को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नैशनल स्टार्ट-अप अवॉर्ड 2021 से नवाजा गया था. रिपॉस को अब तक तीन राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय पेटंट (153 देशों में प्रकाशित) हासिल हो चुके हैं. रिपॉस के बारे में फोर्ब्स इंडिया मैगजीन में भी विस्तार से एक विशेष फीचर प्रकाशित किया गया था. रिपॉस को यूरोप के सबसे बड़े स्टार्ट-अप और टेक इवेंट - विवो टेक्नोलॉजी 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का भी गौरव हासिल हो चुका है`

गौरतलब है कि भारत में स्टार्ट-अप का अगला अध्याय देश के छोटे-छोटे गांव व छोटे-छोटे शहरों में लिखा जाएगा ऐसे में हम रिपॉस पे को लॉन्च कर इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित महसूस कर रहे हैं. हमने उधार पर ऊर्जा मुहैया कराने की संभावनाओं की अच्छी तरह से परख कर ली है और ऐसे में हमने ठोस तरीके से फ़्यूल फाइनांसिंग और प्रबंधन संबंधी सुविधाओं को लेकर एक ठोस व्यवस्था तैयार की है`

रिपॉस के को-फाउंडर और चीफ फि नटेक ऑफि सर अपराजित सुब्रह्मण्यम ने इस मौके पर कहा अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस रिपॉस पे ईंधन खरीदनेवाले उपभोक्ताओं की मांग की हीहै आपूर्ति नहीं करता है, बल्कि ऋण प्रदान करनेवाले बैंकों NFBC's और फि नटेक कंपनियों के लिए कर्ज. प्रबंधन प्लेटफॉर्म के तौर पर भी काम करता है`

रिपॉस के संस्थापक और सीईओ चेतन वालुंज कहते हैं, "वाराणसी जैसे शहर में रिपॉस पे को लॉन्च करने का मुख्य मकसद छोटे शहरों में बैंकिंग और अन्य वित्तीय संस्थानों की सेवाओं से वंचित लोगों तक अत्याधुनिक वित्तीय उत्पादों को पहुंचाना है. रिपॉस पे के जरिए हम निवेशकों को हाई-कैप मार्केट में एंट्री दिलाने में पूरा सहयोग करेंगे और साथ ही पर्यावरणीय संरक्षण के लिहाज से ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देंगे. जहां एक ओर मोबाइल ऊर्जा वितरण में तेजरफ़्त तरीके से बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है, वहीं इस सेक्टर में अधिकत्तर निवेशकों के लिए निवेश के किफायती अवसर नदारद हैं. नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी ढांचागत सुविधाएं काफी महंगी हैं और इसका प्रबंधन करना भी इतना आसान नहीं है. एक एग्रेगेटर कंपनी के तौर पर हम निवेश के आकार को नीचे लाकर इस समस्या को हल करने के लिए प्रयत्नशील हैं`

रिपॉस की संस्थापक और चीफ विजनरी ऑफि सर अदिति भोसले वालुंज कहती हैं, "वाराणसी में रिपॉस पे से कैशलेस इकोनॉमी के चलन को बढ़ावा मिलेगा और समाज के निचले तबके को टेक्नोलॉजी आधारित वित्तीय व्यवस्था में समाविष्ट करना आसान हो जाएगा. रिपॉस पे से भुगतान की प्रक्रिया पहले से और आसान और सुरक्षित हो जाती है. हमारा फि नटेक प्लेटफॉर्म रिपॉस के लिए ऊर्जा के वित्तीय प्रणाली को आधुनिक बनाने का अवसर प्रदान करता है हमारा मानना है कि फि नटेक नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के मौकों का निर्माण करता है और प्रोडक्शन, वित्तीय विश्लेषण और पोर्टफोलियो परफॉर्मेंस के ब्रेक-डाउन में कारगर साबित होता है रिपॉस पे नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग व वितरण और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

सरकार बीजेपी की, चेयरमैन विपक्षी, जुगत ऐसी की खूब काटा मलाई

प्रखर जौनपुर। नगर पंचायत खेतासराय के निवर्तमान ईओ अमित कुमार यादव पर मिर्जा गालिब का यह शेर बिल्कुल सटीक बैठता है। यहां तैनात रहे अधिशासी अधिकारी अमित कुमार का स्थानांतरण आजमगढ़ जनपद

नियम विरुद्ध चहेते प्लॉटरों के लिए सरकारी धन से कराई जा रही है इंटरलॉकिंग

के जीयनपुर नगर पंचायत के लिए हो गया है। जबकि मैनपुरी जिले के कुसमरा नगर पंचायत में तैनात रविंद्र प्रताप सिंह को खेतासराय नगर पंचायत में इसी पद पर शासन ने तैनाती के लिस्ट जारी किया है। पड़ोसी जनपद प्रतापगढ़ के मूल निवासी अमित कुमार यादव ने जिले के नगर पंचायत खेतासराय में जब कार्यभार ग्रहण किया तो उसके बाद से आज तक हमेशा उनकी कार्यप्रणाली हमेशा चचाओं में ही रही है।

जिले के एक विधायक और प्रदेश सरकार के एक मंत्री को अपना रिश्तेदार बताने वाले अमित यादव ने खेतासराय में चार्ज लेते ही खूब मलाई काटा। सूबे में शासन सत्ता भले ही बीजेपी की है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नगर पंचायतों की व्यवस्था को पूरी तरह से पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की लाख हिदायत देते हैं लेकिन आज भी होता वही है जो यहां के ईओ और चेयरमैन चाहते हैं।

कस्बा के विद्यापीठ वार्ड निवासी नरसिंह मौर्य खुद इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। श्री मौर्य का कहना है कि मेरे घर के पास नाली निर्माण के लिए हमने मुख्यमंत्री जी के पोर्टल, डीएम और ईओ को कई पत्र दिये लेकिन उसे अमल में नहीं लाया गया। बरसात में आज भी मेरे मकान के पिछले हिस्से में पानी भर जाता है। उल्टे ईओ अमित यादव ने मुझे धमकी भी दिया था कि आप बहुत शिकायत करते हैं। देखते हैं मेरे रहते कैसे आप का काम होगा। कस्बा के कोहरौटी वार्ड निवासी पूर्व सभासद पति विजय कुमार मलाऊ प्रजापति ने गंभीर आरोप लगाया कि ईओ और चेयरमैन की मिली भगत से खेतासराय नगर पंचायत में भू माफियाओं को खुलेआम शह मिल रहा है।

उदाहरण के तौर पर विद्यापीठ वार्ड में कई ऐसे स्थान पर इंटरलॉकिंग सड़क बनवाई गई है, जहां कागज में ना तो कोई सड़क है। और ना वहां कोई आबादी। चेयरमैन के अपने चहेते गुर्गों ने सस्ती जमीनों को महंगे दाम पर प्लाटिंग करके बेचने के लिए ऐसे कई निर्माण नियम कानून के विपरीत करवाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी नगर पंचायत खेतासराय में हुए निर्माण कार्यों की गंभीरता से जांच कराएं तो यहां कई बड़े घोटाले का खुलासा हो सकता है। चेयरमैन वसीम अहमद से जब कोई कहता था तो चेयरमैन कहते थे बीजेपी की सरकार है, मैं सपा का चेयरमैन हूं मेरी नहीं चलती। उधर अधिशासी अधिकारी अमित यादव बोलते थे कि चेयरमैन अपने मन की करते हैं। इस तरह से जनता की मूल जरूरतों को एक दूसरे पर थोप कर मलाई काटने वाले ईओ के तबादले की सूची जारी हुई तो कस्बे के लोगों में गजब की खुशियांली देखी जा रही है। फिलहाल मामला जो भी हो लेकिन कस्बे के नागरिकों की गंभीर शिकायतों में काफी कुछ दमखम नजर आता है।

चेयरमैन ने अपने आवास के समीप बिछा दिया सड़कों का जाल

जौनपुर। सपा के रसूखदार चेयरमैन कहे जाने वाले वसीम अहमद की धमक बीजेपी सरकार में इस कदर चल रही है कि उसके खिलाफ कोई शिकायत भी करने की हिम्मत नहीं करता। यही वजह है कि इस दबंग चेयरमैन ने अपने घर के आस-पास सड़कों का ऐसा जाल बिछा दिया है कि कौड़ियों के भाव वाली जमीनों की कीमत आज करोड़ों में लग रही है। चेयरमैन वसीम अहमद के नए आवास से बिल्कुल सटे स्व रामप्रताप चौधरी के ट्यूबवेल से रेलवे लाइन, कासिमपुर की ओर एक नई इंटरलॉकिंग वाली सड़क बनवाई जा रही है। इस निर्माण कार्य का ठेका चेयरमैन ने अपने चहेते दबंग ठेकेदार को दिया है। जहां दूर-दूर तक न कोई आबादी है। ना ही उधर लोगों का अधिक आना जाना। फिर भी उस इलाके की जमीनों की प्लॉटिंग करके करोड़ों रुपए कमाने के उद्देश्य प्लाटरों को लाभ पहुंचाने के लिए यह सड़क बनवाई जा रही है। लूटपाट के धंधे में निवर्तमान ईओ अमित यादव की मौन स्वीकृति पूरे नगर में चर्चा का विषय बना है।

लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में मुफ्त प्रिकॉशन डोज अभियान के कैम्प का उद्घाटन किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर ने शीर्ष नेतृत्व निर्देशानुसार श्री लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में मुफ्त प्रिकॉशन डोज अभियान के कैम्प का उद्घाटन भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य आदरणीय श्री लक्ष्मण आचार्य जी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर श्री अमरेश चंद्र दुबे जी की उपस्थिति में किया गया एवं आम जनमानस का वैक्सिनेशन कराया गया। कार्यक्रम के पश्चात माननीय आचार्य जी ने अपने कार्यालय में जनसमस्याओं का सुनवाई किया जिसमे वाराणसी के यशस्वी सांसद देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए आचार्य जी ने कहा माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाने

की जनकल्याणकारी योजना को माननीय आचार्य जी ने युवाओ का आह्वान किया की अपने गली मोहल्ले के लोगों को प्रेरित कर अधिक से अधिक बुस्टरडोज वैक्सीनेशन करवाने का कार्य करें जिससे आगे आने वाली कोरौना महामारी से निजात मिल सके साथ ही भाजपा की सरकार समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के लिए संकल्पित और जो भी योजनाएं बन रही है या योजनाएं क्रियान्वित हो रही है वह समाज के अंतिम व्यक्ति के ले लिए हो रही है उसके तहत आपकी कोई समस्या सरकार तत्काल हर स्तर पर हल करेगी इस मौके पर मंडल के कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, डॉ संजय शर्मा, डॉ देवानंद जी,कोविड वैक्सिनेशन प्रभारी श्वेत कुमार सिंह, राजकुमारी PPC, अमरावती सिंह मैट्रन, नँद लाल चौहान, अभिषेक कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, महेश पटेल,संजय बाल्मीकि,कन्हैया लाल श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, बाबु,अविनाश चौहान, अनिरूद्ध कन्नौजिया, कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मदरसा हुसैनिया में शोह-दाए-कर्बला पर हुई संगोष्ठी, खाया गया लंगर

प्रखर गोरखपुर। मदरसा दारुल उलूम हुसैनिया दीवान बाजार में आठवीं मुहर्रम को 'शोह-दाए-कर्बला' की याद में कुरआन ख्वानी, फातिहा ख्वानी व संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता मुफ्ती-ए-शहर अख़्तर हुसैन व मौलाना रियाजुद्दीन कादरी ने कहा कि हजरत सैयदना इमाम हुसैन 3 जिलहिज्जा सन 60 हिजरी को अपने अहले बैत व जांनिसारों को साथ लेकर मक्का शरीफ से इराक की तरफ रवाना हो गए। सन 61 हिजरी मुताबिक का आगाज हो चुका था। सन 61 हिजरी मुहर्रम की 2 तारीख के दिन कर्बला पहुंचे। सातवीं मुहर्रम को कर्बला के मैदान में जालिम यजीद की फौज ने इमाम हुसैन और उनके साथियों पर पानी की आपूर्ति बंद कर दी थी ताकि वो शासक जालिम यजीद की मातहती स्वीकार कर लें मगर इमाम हुसैन और उनके साथियों ने ऐसा करने

से इंकार कर दिया। नहरे फुरात पर यजीदी फौजियों को लगा दिया गया, ताकि हजरत इमाम हुसैन का काफिला पानी न पी सके। तीन दिन का भूखा प्यासा रखकर इमाम हुसैन व उनके साथियों को कर्बला की तपती जमीन पर शहीद कर दिया गया। इमाम हुसैन व उनके साथियों ने अजीम कुबार्नी पेश कर दीन-ए-इस्लाम को बचा लिया। अंत में लंगर-ए-हुसैन पर फातिहा पढ़ी गई। सलातो-सलाम पढ़कर दुआ ख्वानी हुई। अकीदतमंदों ने मिलकर लंगर खाया। कार्यक्रम में संयोजक हाफि ज महमूद रजा कादरी, प्रधानाचार्य हाफिज नजरे आलम, हाफिज रहमत अली निजामी, मो. आजम, नवेद आलम, कारी सरफुद्दीन, निसार अहमद, मो. इदरीस, मो. कासिम, मो. इस्हाक, अबू अहमद, कारी अनीस, रेयाज अहमद, मो. नसीम खान सहित शिक्षक व छात्रों ने शिरकत की।

उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के सदस्यों ने बृद्धांबिका माता के चरणों में नवाया शीश

प्रखर जखनियां गाजीपुर। उ प्र अपराध निरोधक समिति लखनऊ के पदाधिकारियों ने शनिवार को प्रसिद्ध सिद्धपीठ हथियाराम मठ में पहुंच कर अधिष्ठात्री देवी वृद्धंम्बिका माता के चरणों में शीश नवाकर समाज हित में कार्य करने हेतु आशिर्वाद मांगा। सिद्धपीठ हथियाराम मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनन्दन यतिजी महाराज ने समिति के पदाधिकारियों को माता रानी की पवित्र चुनरी तथा प्रसाद देकर सम्मानित किया। उन्होंने समिति को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में लगे सभी पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें इसी प्रकार समाज हित मे लगे रहने की प्रेरणा दी। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा ने संस्था के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संस्था वर्ष 1938 में स्थापित हुई? थी। संस्था उत्तर प्रदेश के गजट व जेल मैनुअल के अंतर्गत कार्य करती है। महामहिम राज्यपाल इस समिति की मुख्य संरक्षक हैं। संस्था का मुख्य उद्देश्य अपराध विहीन समाज का निर्माण करना, अपराध को रोकने हेतु कार्य करना, बंदियों के पुनर्वास व रोजगार उपलब्ध कराने में मदद करना व अपराधियों के सुधार, महिला सुरक्षा एवं उनके सुधार तथा जेल निरीक्षण तथा कारागार बंदियों की शिक्षा धार्मिक प्रचार प्रसार, चिकित्सालय, खेलकूद व शासन प्रशासन जेल विभाग के सहायतार्थ कार्य करना है। संस्था अपने पदाधिकारियों व सदस्यों के माध्यम से इस कार्य में लगी हुई है। अधिष्ठात्री देवी वृद्धंम्बिका माता के धाम पहुंचकर दर्शन पूजन कर महाराज श्री का आशीर्वाद लेने वालों में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा, वाइस चेयरमैन विरेन्द्र शर्मा, प्रान्तीय सहसचिव मयंक कुमार सिंह,जोन सचिव वाराणसी डा ए के राय, आगरा जोन सचिव अमित जैन, मण्डल सचिव गोरखपुर राज सिंह जिला सचिव गाजीपुर अभिषेक सिंह व प्रकाश गुप्ता , दीपक अग्रवाल, अमित यादव प्रमुख रहे। पूजन अर्चन कराने में पं. सर्वेश मिश्रा, अभयानंद गिरी व लवटू प्रजापति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एम एक्स प्लेयर पर रिलीज हुई फिल्म 'इति समाप्तम'

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वह दिन ज्यादा दूर नहीं है जब हम बॉलीवुड जैसी फिल्मों को बिना मुंबई का रुख करें यही अपने प्रदेश में ही बना लिया करेंगे। नगर के मध्य में रहने वाले एक्ट डायरेक्टर स्वराम शर्मा के क्रेजी बी एंटरटेनमेंट बैनर तले आने वाली हिंदी फीचर फिल्म इति समाप्तम इस बात का उदाहरण है कि इंसान अगर दृढ़ संकल्प कर ले तो वह कुछ भी कर सकता है। एक्टर डायरेक्टर स्वराम शर्मा ने नगर व प्रदेश के कई जिलों से कलाकारों को लेकर इति समाप्तम नाम की हिंदी फीचर फिल्म बनाई है जिसको क्रेजी बी एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है और यह फिल्म कल से दर्शकों को तेजी से प्रचलन में आए ओ.टी.टी. चैनल्स जैसे एम एक्स प्लेयर, हंगामा, एमेजॉन प्राइम, एयरटेल एक्सट्रीम,पर देखने को मिलेगी लेखक विनय प्रकाश तिवारी ने इस फिल्म की कहानी एक पत्रकार के इर्द-गिर्द गढ़ी है और इस फिल्म के माध्यम से वह दर्शकों को यह दिखाना चाहते हैं कि कैसे एक

ईमानदार पत्रकारों की आवाज को बेरहमी से दबा दिया जाता है। फिल्म में मुख्य भूमिका में स्वराम शर्मा व एक्टर शशांक श्रीवास्तव निभा रहे हैं। साथ ही सहायक कलाकार के तौर पर रति शंकर त्रिपाठी, विशाल सिंह ,डॉ. अंकिता राज, सरताज खान, पिंटू वर्मा, जय सिंह वह प्रदेश के अन्य लोग नजर आएंगे वही मेकर्स टीम से डीओपी प्रिंस सिंह, सहायक डायरेक्टर प्रेम कुमार, विवेक श्रीवास्तव, पंकज शर्मा, नंदिनी सागर, श्वेता दास सिंह, सोनिया रांका कोरियो ग्राफर सलमान शेख, शिवराजन सिंह, सोनू खान साथ ही म्यूजिक प्रोड्यूसर मोहित कुमार ने इस फिल्म को बनाने में जी तोड़ मेहनत किया है और इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन वाराणसी के रियल फिल्म क्रिएशन द्वारा किया गया है।

आजादी के पावन अमृत महोत्सव को सिंधोरा वासियों ने यादगार बनाया

प्रखर दानगंज वाराणसी। जीवन लक्ष्य ट्रस्ट के सौजन्य व मदरसा नूर इस्लामिया दारुल उलूम के सहयोग से सिंधोरा बाजार में तिरंगे के सम्मान में जनजागरूकता रैली का आयोजन दिनांक 07 अगस्त, सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ। जीवन लक्ष्य ट्रस्ट द्वारा आयोजित मदरसा नूर इस्लामिया दारुल उलूम के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि श्री मंगरू राम जी सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी पिंडरा व विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी सिंधोरा श्री वी एन सिंह जी रहे । उक्त अवसर पर सिंधोरा बाजार का रामलीला मैदान सुबह 8 बजे तिरंगाधारी मदरसा नूर इस्लामिया दारुल उलूम के छात्र व जीवन लक्ष्य ट्रस्ट के कार्यकताओं से भर उठा। भारत माता की जय तथा बंदेमातरम के गगनभेदी नारो से आसमान गूंजता रहा। तय समय पर, मुख्यातिथि श्री मंगरू राम जी सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी पिंडरा व विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी सिंधोरा श्री वी एन सिंह जी ने विशाल तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली अपने तय मार्ग से बाजार भ्रमण करते हुए थाना सिंधोरा से होते हुए पुरानी चौमुहानी के रास्ते रामलीला मैदान में पहुंचकर सभा के माध्यम से संपन्न हुई। मुख्यातिथि श्री मंगरू राम जी सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी पिंडरा व विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी सिंधोरा श्री वी एन सिंह जी ने शासन की मंशा के अनुरूप , एकजुट होकर उक्त कार्यक्रम को यादगार बनाने की जो पहल ट्रस्ट व मदरसे द्वारा की गई उसकी भूरी भूरी प्रशंसा दोनो अधिकारियों द्वारा की गई। आजादी के पावन अमृत महोत्सव का यह कार्यक्रम शानदार बनाने के लिए ट्रस्ट व मदरसे से जुड़े लोग जी जान से लगे रहे। आजादी के पावन अमृत महोत्सव में हर सामान्य जन ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर-के जिम्मेदार नागरिक होने के अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन किया। सभी द्वारा एकत्र होकर उक्त यादगार कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना जो योगदान किया गया इस हेतु समाजसेवी गुलाम मोहम्मद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लाखों की जमीन का फर्जी बैनामा कराने वाला युवक हुआ गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस ने देवराई गांव निवासी दीनानाथ की लाखों रुपये की जमीन को फर्जी ढंग से बैनामा कराने के आरोपित युवक को एक वर्ष बाद धर दबोचा। अब तक इस मामले में पुलिस चार लोंगो को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इंस्पेक्टर जगदीश कुशवाहा ने बताया कि देवराई गांव निवासी दीनानाथ की 80 लाख रुपये के कीमत की दो जमीन को एक दूसरे व्यक्ति त्रिभुवन को दीनानाथ बनाकर बैनामा तो दूसरी जमीन को एक ही दिन में सट्टा करा लिया गया। जब बैनामेदार कब्जा करने पहुचा तो मामला संज्ञान में आया। जिसपर पुलिस ने एक वर्ष पूर्व 419, 420, 467, 468, 471 व 120 के तहत चार लोगो के खिलाफ नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जिसमे तीन को पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। आज चौथे ब्यक्ति अवधेश सिंह निवासी चारों थाना सिंधोरा को खालिसपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप से दरोगा अमित यादव, अखिलेश कुमार ने गिरफ्तार

कर जेल भेज दिया। दरोगा अमित यादव ने बताया कि तीन और नाम प्रकाश में आये है उनकी भी जल्द ही गिरफ्तारी होगी। बताते चलें कि पिंडरा तहसील पर फर्जी ढंग से दूसरे को खड़ा कर 80 लाख रुपए कीमत की जमीन लिखवा लिए थे। पीड़ित के द्वारा काफी भागदौड़ के बाद मुकदमा दर्ज हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

अपराध निरोधक कमेटी रक्षाबंधन पर जिला कारागार पर लगाएगी कैंप

प्रखर जौनपुर। आगामी त्यौहार रक्षाबंधन पर जिला अपराध निरोधक कमेटी जिला कारागार/ सुधार गृह में बंद कैदियों को राखी बांधने के लिए आने वाली बहनों के लिए जिला अपराध निरोधक कमेटी एक कैंप लगाकर जलपान की व्यवस्था करेंगे एवं अपराध निरोधक कमेटी के वालंटियर सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से जिला कारागार ने मौजूद रहेंगे इसके लिए जिले के पदाधिकारियों ने जेलर कुलदीप सिंह एवं जेल अधीक्षक शैलेश पांडे से मिलकर विर्मश किया जिसपर दोनो जेल के अधिकारियों ने अपनी सहमति प्रदान की, उक्त अवसर पर जिला पदाधिकारी एजाज अहमद, धर्म नारायण उपाध्याय, शैलेंद्र सिंह, राजेश सिंह ,रतन लाल मौर्या एवं रियाजुल हक, महिला पदाधिकारी शोभना स्मृति मौजूद रही।

किराना स्टोर में रखे नगदी व सामान सहित कैमरे का डीवीआर उड़ा ले गए चोर

प्रखर सन्तकबीरनगर। जनपद के खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मुखलिसपुर तिराहे पर शनिवार को रात्रि के समय शिखर प्रोविजन स्टोर में अज्ञात चोरों ने छत के ऊपर आंगन का छड़ काटकर दुकान में रखा लगभग 2 लाख से अधिक नकदी और 90 हजार रुपये के सामानों पर हाथ साफ कर ले उड़े चोर। चोरो ने चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम जाच में जुट गयी। घटना की सूचना के बाद पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष और अखिल भारतीय उद्योग के सभी प्रमुख पदाधिकारी मौके पर पहुंच कर पुलिसिया बातचीत में जल्द मामले का खुलासा करने की बात किया है । वही बरदहिया चौकी के ठीक सामने हुई चोरी की इस घटना में व्यापार मंडल के अध्यक्ष सर्वदानंद पाण्डेय ने पुलिस के कार्य प्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़ा खड़ा किया साथ ही पांडे ने कहा कि जल्द खुलासा न होने पर आंदोलन करने की भी बात कही। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी अंशुमान मिश्र ने चोरी हुई घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया और कहां की जल्द ही मामले का पदार्फाश कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बक्शीपुर-तुर्कमानपुर में सामूहिक रोजा इफ्तार नौवीं-दसवीं मुहर्रम को

प्रखर गोरखपुर। गौसे आजम फाउंडेशन व तंजीम कारवाने अहले सुन्नत की ओर से सोमवार 8 अगस्त (नवीं मुहर्रम) को चिश्तिया मस्जिद बक्शीपुर व इमामबाड़ा चिंगी शहीद तुर्कमानपुर में शाम 6:40 बजे से सामूहिक रोजा इफ्तार होगा। यह जानकारी फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष समीर अली ने दी है। वहीं इमामबाड़ा चिंगी शहीद में मंगलवार 9 अगस्त (दसवीं मुहर्रम) को भी शाम 6:39 बजे से सामूहिक रोजा इफ्तार होगा। उक्त जानकारी देते हुए नायब काजी मुफ्ती मो. अजहर शम्सी ने बताया कि 9 व 10 मुहर्रम का रोजा रखने की हदीस में बहुत फजीलत आई है। 9 व 10 मुहर्रम दोनों दिन का रोजा रखना अफजल है। पैगंबर-ए-आजम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम मदीना तशरीफ लाए तो यहूदियों को आशूरा (10 मुहर्रम) के दिन रोजा रखते हुए देखा। आपने उनसे फरमाया यह कैसा दिन है कि जिसमें तुम लोग रोजा रखते हो? उन्होंने कहा यह वह अजमत वाला दिन है जिसमें अल्लाह ने हजरत मूसा अलैहिस्सलाम और उनकी कौम को फि रऔन के जुल्म से निजात दी और उसको उसकी कौम के साथ दरिया में डुबो दिया। हजरत मूसा ने उसी के शुक्रिया में रोजा रखा, इसलिए हम भी रोजा रखते हैं। पैगंबर-ए-आजम ने फरमाया हजरत मूसा की मुवाफिकत करने में तो तुम्हारी बनिस्बत हम ज्यादा हकदार हैं। चुनांचे पैगंबर-ए-आजम ने खुद भी आशूरा का रोजा. रखा और सारी उम्मत को उसी दिन रोजा रखने का हुक्म दिया। मुसनद इमाम अहमद और बज्जाज में हजरत इब्ने अब्बास से मरवी है कि पैगंबर-ए-आजम ने फरमाया यौमे आशूरा का रोजा रखो और उसमें यहूद की मुखालफत करो। यानी नवीं और दसवीं मुहर्रम दोनों दिन रोजा रखो।

सपा नेता के भतीजे ने दो व्यापारी भाइयों के साथ की मारपीट

प्रखर गोरखपुर। पीपीगंज रेलवे की जमीन को लेकर सपा नेता के भतीजे ने रमेश कसौधान, अशोक कसौधान पुत्र बैजनाथ को पीट-पीटकर घायल कर दिया है ।मौके पर कस्बा प्रभारी अभिनव मिश्रा अपने हमराही के साथ सूचना मिलने पर पीड़ित व्यक्ति के द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर सपा नेता अखिलेश यादव व उनके तीन भतीजो समेत चार अन्य साथियों के खिलाफ हत्या की कोशिश, मारपीट सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। कस्बा प्रभारी अभिनव मिश्रा ने बताया नामित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति रमेश ने बताया हमारी दुकान विगत कई वर्षों से रेलवे की जमीन पर लगती है। वही कथित सपा नेता गुमटी के बगल की जमीन खाली कराने के प्रयास में हैं। इसी बात को लेकर दोनों गुटों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में रमेश व अशोक का हाथ पैर तोड़ दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित व्यक्तियों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेज दिया गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं